● वर्ष-2
● अंक-169
रायपुर, शनिवार
04 मार्च 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पिछले साल से विकास दर कम हुई

छत्तीसगढ़ का आर्थिक सर्वेक्षण पेश, प्रति व्यक्ति आय बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के तीसरे दिन आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की गई है। सत्र के तीसरे दिन मंत्री अमरजीत भगत ने सदन में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद में बाजार मूल्य पर 2021-22 की तुलना में 12.60 फीसदी वृद्धि का अनुमान जताया है। वहीं छत्तीसगढ़ में प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2022-23 में एक लाख 33 हजार 898 रुपए होने का अनुमान जताया गया है। जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 10.93 फीसदी अधिक है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय अब एक लाख 33 हजार सालाना हो चुकी है। वहीं जीडीपी 8% है, जो देश की से जीडीपी 1% ज्यादा है। कृषि क्षेत्र में 5.93% वृद्धि , उद्योग क्षेत्र में 7.83% वृद्धि, सेवा क्षेत्र में 9.29% वृद्धि , प्रति व्यक्ति आय एक लाख 33000 है। पिछले साल की तुलना में 10.93% की वृद्धि हुई है।

सर्वेक्षण की मूल बातें

कृषि क्षेत्र में विकास दर की बात करें तो यह 5.93 फीसदी रही। उद्योग क्षेत्र में विकास दर का ग्राफ 7.83 फीसदी तक बढ़ासेवा क्षेत्र में यह वृद्धि 9।29 फीसदी तक दर्ज की गई है छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री से राजस्व की प्राप्ति में इजाफा हुआ है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के आंकड़ों पर गौर करे तो एक अप्रैल 2022 से 6 फरवरी 2023 तक छत्तीसगढ़ में 5525.99 (पांच हजार पांच सौ पच्चीस करोड़ निन्यावे लाख) रुपये की आय शराब से हुई है। वर्ष 2022-23 में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की भागीदारी 16.91 प्रतिशत एवं उद्योग क्षेत्र की भागीदारी 49.88 प्रतिशत अनुमानित है। इसी अवधि में सेवा क्षेत्र की भागीदारी 33.21 प्रतिशत रहने की संभावना है।

कृषि

इस क्षेत्र में वर्ष 2017-18, 2018-19 2019-20, 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 में वृद्धि (स्थिर भाव पर) क्रमश- 10.90, 13.49 5.22, 4.56 4.33 एवं 5.93 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2012-13 से 2022-23 तक औसत वृद्धि 5.31 प्रतिशत दर्ज की गई। वर्ष 2016-17 में अच्छी फसल होने के कारण वृद्धिदर 21.28 प्रतिशत रही। वर्ष

2017-18 में प्रमुख कृषि फसलों के उत्पादन के कमी के कारण कृषि क्षेत्र में 10.90 प्रतिशत कमी रही। वर्ष 2011-12 में जहाँ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 18.10 प्रतिशत थी, वहीं निरंतर किंतु धीमी गति से घटते हुए वर्ष 2022-23 में 16.91 प्रतिशत पर आ गई है।

उद्योग

इस क्षेत्र में खनन, विनिर्माण, विद्युत, जलापूर्ति एवं निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। वर्ष 2017-18, 2018-19 2019-20, 2020-21 2021-22 एवं 2022-23 में उद्योग क्षेत्र में वृद्धि (स्थिर भाव पर)क्रमशः 9.31 16.29, 2.27, 0.44, 8.07 एवं 7.83 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2012-13 से 2022-23 तक औसत वृद्धि 6.34 प्रतिशत दर्ज की गई। वर्ष 2011-12 में जहाँ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में उद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी 47.27 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2022-23 में 49.88 प्रतिशत सम्भावित है।

सेवा क्षेत्र

छत्तीसगढ़ में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विगत वर्षों में निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र के अंतर्गत व्यापार, होटल एवं जलपान गृह, स्थावर संपदा एवं अन्य सेवाओं की सर्वाधिक भागीदारी है। वर्ष 2017-18, 2018-19,2019-20, 2020-21 2021-22 एवं 2022-23 में (स्थिर भाव पर) क्रमशः 1.79, 3.40, 10.82, -4.41, 9.80 तथा 9.21 के वृद्धि अनुमानित है। वर्ष 2012-13 से 2022-23 तक औसत वृद्धि 5.37 प्रतिशत परिलक्षित हो रही है। वर्ष 2011-12 में जहाँ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 34.63 प्रतिशत थी, यह वर्ष 2022-23 में 33.21 होना अनुमानित है।

राज्य के जीडीपी की विकास दर

(स्थिर भाव पर)

वर्ष	विकास दर %
2012-13,	5.00,
2013-14,	10.00,
2014-15,	1.77
2015-16,	2.57
2016-17,	12.13
2017-18,	3.01
2018-19,	11.10
औसत वृद्धि --	*6.51 %*
2019-20,	2.76
2020-21,	1,80
2021-22	8.46
2022-23	8.00
औसत वृद्धि --	*2.30 %*

11 वर्षों की औसत वृद्धि 5.73 प्रतिशत दर्ज की गई।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

विधानसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष में तकरार

किसी शायर ने खूब लिखा है -

'दुश्मनी जमकर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे
जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा ना हो।'

यह बात संसदीय लोकतंत्र में बहुत फीट बैठती है। संसद या विधानसभा के भीतर हो या बाहर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंक-झोंक होती है विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह सत्तापक्ष को घेरे और उसे नियंत्रित करें। छत्तीसगढ़ विधानसभा में भी राज्य बनने के बाद से सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ सदन के भीतर बोलते हैं लेकिन सदन के बाहर वे अच्छे मित्र जैसा व्यवहार भी करते हैं। ऐसा व्यवहार होना भी चाहिए क्योंकि विधायक एक जनप्रतिनिधि के तौर पर जनता की समस्याओं, देशहित और जनकल्याण के विषय को सदन में उठाता है, वह सरकार के खिलाफ में मुखर होता है, तो मुख्यमंत्री और मंत्री के प्रति दुराग्रह नहीं होता है, वह केवल जनता की भावना से सदन को अवगत कराता है। यही भारतीय लोकतंत्र की खूबी भी है। लोकसभा या राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता जमकर हमला करते हैं लेकिन जब कोई दावत हो तो एक ही टेबल पर बैठकर हंसते-खिलखिलाते भोजन भी करते हैं। यह व्यवहार जब तक बना है, लोकतांत्रिक परंपरा मजबूत है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पिछले कुछ सत्रों के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच व्यवहार में जो तल्खी नजर आ रही है, वह स्वस्थ नजर नहीं आती। बजट सत्र विपक्ष के विधायकों के खिलाफ सत्तापक्ष के मंत्री और विधायक जिस प्रकार टीका-टिप्पणी करते हैं वह उचित नहीं है। चूंकि चुनाव के पहले यह आखिरी लंबा सत्र इसलिए मुख्य विपक्ष दल भारतीय जनता पार्टी सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती, वहीं कांग्रेस पार्टी भी विपक्ष के इन दांवपेंच का मुकाबल जोर-शोर से करती है। इसके बावजूद सदन में पिछली बार हाथापाई की नौबत आ गई, अभी विपक्ष गर्भगृह में जाकर नारेबाजी करने लगा तो उस पर टिप्पणियां की गई। इसके बाद जो हंगामा देखने को मिल रहा है, उससे छत्तीसगढ़ की संसदीय परंपरा प्रभावित हो रही है।

कर्मचारी हड़ताल पर सरकार पर बरसा विपक्ष

भाजपा का स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में कर्मचारी हड़ताल के मुद्दे पर भाजपा का स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य किए जाने पर विपक्ष ने भारी हंगामा मचाया। भाजपा के सदस्य कर्मचारी हड़ताल पर स्थगन प्रस्ताव ग्राह्य कर इस पर चर्चा कराने की मांग कर रहे थे लेकिन आसंदी पर विराजमान विधानसभा उपाध्यक्ष ने व्यवस्था दी की पहले से व्यवस्था है कि बजट सत्र में स्थगन प्रस्ताव ग्राह्य कर चर्चा नहीं की जा सकती इसलिए यह स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य किया जा रहा है।

इस पर भाजपा सदस्यों ने नाराजगी व्यक्त की। इसके पूर्व स्थगन प्रस्ताव मंजूर किए जाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, अजय चंद्राकर सहित अन्य भाजपा सदस्यों ने स्थगन प्रस्ताव ग्राह्य कर चर्चा कराने की मांग की। भाजपा विधायक डॉ. रमन सिंह ने कहा कि 5 लाख से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर हैं। आंगनबाड़ी से लेकर रसोइया, अनियमित कर्मचारी, दैनिक वेतन भोगी आंदोलन कर रहे हैं और यहां तक कि इस सरकार में अधिकारियों तक को सड़क पर उतरना पड़ा। इन आंदोलनों की वजह कांग्रेस का जन घोषणापत्र है। जिसे सरकार ने अंगीकार किया है। कर्मचारियों की हड़ताल के कारण जनता परेशान है। पूरे प्रदेश में कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। जनता दूरदराज से आकर सरकारी दफ्तरों से खाली हाथ वापस लौट रही है। कोई काम नहीं हो रहा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हड़ताल पर हैं, रसोईया हड़ताल पर हैं, छोटे-छोटे बच्चों को पौष्टिक आहार नहीं मिल रहा।इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। नियमितीकरण के मामले में सरकार की स्पीड यह है कि अभिमत में 4 साल लग गए। यह सरकार इतनी तेज दौड़ रही है कि 4 साल में वेरिफिक्रेशन नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री खुद बता रहे हैं कि 38 विभागों ने जानकारी नहीं भेजी।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कर्मचारी आंदोलन पर हमारे स्थगन प्रस्ताव को ग्राह्य किया जाए और इस पर चर्चा कराई जाए। यह बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार संवेदनहीनता दिखा रही है। विधवाएं 4 माह से अनुकंपा नियुक्ति के लिए आंदोलन कर रही हैं। मुंडन करा रही हैं और यह सरकार उनकी सुनने के लिए तैयार नहीं है।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आज हमने सदन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, सहायक शिक्षक और 5 लाख से ज्यादा आंदोलनरत कर्मचारी, पुलिस के जवान, सरकार से चर्चा करना चाहते थे परंतु सत्ताधारी दल सच्चाई सुनना नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने चुनाव पूर्व अपने जारी जन घोषणापत्र में वादा किया था कि आंदोलनरत कर्मचारियों की मांगों को हम पूरा करेंगे।

प्रमुख समाचार

विपक्षी एकता की मुहिम के बीच ममता बनर्जी का बड़ा दावा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2024 के आम चुनावों के लिए अपनी पार्टी द्वारा गठबंधन बनाने की संभावनाओं पर बात करते हुए कहा कि हम किसी अन्य

राजनीतिक दल के साथ नहीं जाएंगे और लोगों के समर्थन से अकेले चुनाव लड़ेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा मुख्यमंत्री के हवाले से कहा कि 2024 में हम तृणमूल और लोगों के बीच एक गठबंधन देखेंगे। हम किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ नहीं जाएंगे। जनता के सहयोग से हम अकेले लड़ेंगे। जो लोग भाजपा को हराना चाहते हैं, मुझे विश्वास है कि वे हमें वोट देंगे। गुरुवार को सागरदिघी उपचुनावों में कांग्रेस की जीत और त्रिपुरा विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत का जिक्र करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि सीपीआई (एम) या कांग्रेस पार्टी को वोट देने वाले वास्तव में बीजेपी को वोट दे रहे हैं। सागरदिघी उपचुनावों में बाद की जीत के बाद टीएमसी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक गतिरोध शुरू हो गया, दोनों दलों ने एक दूसरे पर भाजपा के हित में काम करने का आरोप लगाया।

बीजेपी विधायक के घर से मिले 6 करोड़ रुपये, 40 लाख रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया

बंग्लूरू। कर्नाटक के भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे को लोकायुक्त के बाद शुक्रवार सुबह गिरफ्तार किया गया था। कर्नाटक सरकार के लोकायुक्त ने उसे 40 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। अधिकारियों ने विधायक के आवास से 6

करोड़ रुपये नकद बरामद किए। बीजेपी विधायक मदल विरुपाक्षप्पा के बेटे प्रशांत मदल को गुरुवार को 40 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया। इसके बाद, कर्नाटक सरकार के भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी दल ने उनके आवास और कार्यालयों की तलाशी ली। लोकायुक्त को भाजपा विधायक के आवास पर छह करोड़ रुपये मिले। लोकायुक्त के विधायक को भी पूछताछ के लिए बुलाने की संभावना है। प्रशांत मदल के कार्यालय में लोकायुक्त को 40 लाख रिश्वत के अलावा 1.7 करोड़ रुपये भी मिले। भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत मदल को लोकायुक्त अधिकारियों ने उस समय पकड़ा जब वह अपने कार्यालय में रिश्वत स्वीकार कर रहे थे।

नक्सलियों के गढ़ में अमित शाह को लेनी थी सलामी, अब 25 मार्च को होगा ये आयोजन

नई दिल्ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ का 84वां स्थापना दिवस यानी सीआरपीएफ डे, जो 19 मार्च को नक्सलियों के गढ़ कहे जाने वाले बस्तर क्षेत्र के जगदलपुर मुख्यालय पर आयोजित होना था, उसे स्थगित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीआरपीएफ डे परेड की सलामी लेनी थी। आजादी के बाद यह पहला अवसर है, जब माओवादियों के प्रभाव वाले क्षेत्र में बल का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है। अब यह आयोजन 25 मार्च को जगदलपुर में ही होगा। पिछले दिनों सुकमा के थाना जगरगुंडा में हुए नक्सलियों के एक बड़े हमले में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड %डीआरजी% के तीन जवान शहीद हो गए थे। आयोजन स्थल की सुरक्षा में कई एजेंसियां लगी हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार व दूसरे राज्यों में नक्सल का फन कुचलने में सीआरपीएफ की बड़ी भूमिका रही है। गत वर्ष से सेना की तर्ज पर हर वर्ष 19 मार्च को सीआरपीएफ डे आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। हालांकि दूसरे अर्धसैनिक बलों में अभी डे मनाने का चलन नहीं है।

विजय माल्या की याचिका खारिज, संपत्ति जब्ती की कार्रवाई रोकने का मामला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की एक याचिका

शुक्रवार को खारिज कर दी। यह याचिका आर्थिक अपराधी घोषित करने और संपत्ति जब्त करने के लिए मुंबई की एक अदालत में जारी कार्यवाही को चुनौती देने के लिए डाली गई थी। शीर्ष अदालत ने माल्या के वकील की इस दलील के बाद अभियोजन नहीं चलाने की याचिका खारिज कर दी है कि उन्हें इस मामले में याचिकाकर्ता से कोई निर्देश नहीं मिल रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा था कि वह इस माममले में उन्हें कोई कोई निर्देश नहीं दे रहा है। शीर्ष अदालत ने माल्या की याचिका पर सात दिसंबर 2018 को प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस जारी किया था और मुंबई में धन शोधन रोकथाम अधिनियम की विशेष अदालत के समक्ष जांच एजेंसी की याचिका पर कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

लालच ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह बढ़ाया, अदालतें कड़ी कार्रवाई करें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि धन के लिए अतृप्त लालच ने भ्रष्टाचार को कैंसर की तरह विकसित करने में मदद की है। संवैधानिक अदालतों का देश के लोगों के प्रति कर्तव्य है कि वे भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता दिखाएं और

अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि धन के समान वितरण को हासिल करने का प्रयास कर भारत के लोगों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए संविधान के प्रस्तावना के वादे को प्राप्त करने में भ्रष्टाचार एक प्रमुख बाधा है। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें राज्य के पूर्व प्रिंसिपल सेक्रेटरी अमन सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया गया था। यदि मुख्य नहीं, तो प्रगति प्राप्त करने के लिए अधिक प्रमुख बाधाओं में से एक है। यह क्षेत्र निस्संदेह 'भ्रष्टाचार' है।

भाजपा के गणित में पूर्वोत्तर, क्या है चुनावी नतीजे का संदेश

नीरजा चौधरी

पूर्वोत्तर भारत के तीन राज्यों- त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में फरवरी में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे बहुत चौंकाते नहीं हैं, लेकिन इन नतीजों के संदेश साफ पढ़े जा सकते हैं। कहने को तो साठ-साठ सीटों वाली इन विधानसभाओं में कुल 180 विधानसभा सीटें हैं और इन्हें देश के एक छोटे से हिस्से में माना जाता है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वोत्तर के इलाके को जो महत्व दिया है, विधानसभा चुनाव के नतीजे उसी को परिलक्षित करते हैं।

पूर्वोत्तर को महत्व देने का फायदा निश्चित रूप से भाजपा को मिला है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने लगातार पूर्वोत्तर का दौरा किया और उस क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। प्रधानमंत्री की लुक ईस्ट पॉलिसी में भी पूर्वोत्तर रहा है। इसका मतलब है कि भाजपा के गणित में पूर्वोत्तर बहुत महत्व रखता है, क्योंकि वहां 26 लोकसभा सीटें हैं, जो बाकी भारत के मध्य आकार के एक राज्य के बराबर है।

भाजपा ने पूर्वोत्तर के चुनावों को इसलिए इतना ज्यादा महत्व दिया, क्योंकि वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यहां की 26 लोकसभा सीटें उसके लिए बहुत अहम हैं। भाजपा को इस बात का आभास है कि लोकसभा चुनाव में अन्य राज्यों में उसके खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान होगा। लिहाजा उन राज्यों में होने वाले नुकसान की भरपाई की दृष्टि से भी पूर्वोत्तर में अपनी स्थिति मजबूत रखना उसके लिए जरूरी था। भाजपा हर चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक देती है और पूर्वोत्तर के चुनाव भी इसका अपवाद नहीं थे। इसकी वजह यह है कि भाजपा ने पूर्वोत्तर को महत्वहीन नहीं माना। नगालैंड के लोगों ने भी बताया कि इतना आक्रामक चुनाव प्रचार उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से कभी नहीं

देखा था। चुनावी नतीजे में यह स्पष्ट दिखता है। तीनों राज्यों में सत्ता विरोधी रुझान के बावजूद भाजपा का अपने सहयोगी दलों के साथ सत्ता में वापस आ जाना बहुत बड़ी उपलब्धि है।

इन नतीजों का दूसरा संदेश है- कांग्रेस का सफाया। पूर्वोत्तर को दशकों से कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। त्रिपुरा में भले ही उसे कुछ सीटें मिली हैं, जो कि सांत्वना पुरस्कार से ज्यादा कुछ नहीं है, लेकिन पूर्वोत्तर के इलाके में कांग्रेस का चुनाव में लगातार सफाया हो रहा है। सबसे हैरानी की बात है कि कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई प्रयास भी नहीं किया। ऐसा लगता था, जैसे उसने अपने हथियार डाल दिए हैं, जबकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और उनकी अपनी छवि भी बहुत अच्छी बनी है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से उत्साह का संचार हुआ है। फिर भी इनमें से किसी भी जगह से कांग्रेस का चुनाव न जीत पाना उसके लिए बहुत निराशाजनक है, जबकि मेघालय में तो वह पिछली बार 21 सीटों के साथ अकेली सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। ऐसा लगता है कि इन चुनावों में कांग्रेस ने जरा भी दम-खम नहीं दिखाया। तो इन नतीजों का संदेश कांग्रेस के लिए भी है कि आप चाहे जितनी यात्राएं कर लें, लेकिन जब तक चुनाव में जीत हासिल नहीं करते, लोग आपको गंभीरता से नहीं लेंगे और अन्य राज्यों में भी आपके कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा।

तीसरा महत्वपूर्ण संदेश है कि नगालैंड के इतिहास में आज तक एक भी महिला चुनकर विधानसभा नहीं पहुंची थीं। अब तक नगालैंड से मात्र एक महिला सांसद रानो साइजा चुनी गई थीं। वह 1977 में छठी लोकसभा में चुनकर संसद पहुंची थीं। विधानसभा चुनाव में महिलाओं के न चुने जाने को लेकर अक्सर सवाल भी उठते रहते थे, क्योंकि नगालैंड ऐसा राज्य है, जहां पुरुषों से ज्यादा महिला मतदाता हैं। नगा जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की पैठ है, लेकिन राज्य की राजनीति में उनकी उपस्थिति शून्य थी। यह नगा समाज की बहुत बड़ी विडंबना थी। इस बार वहां की जनता ने चार महिला प्रत्याशियों में से दो-दीमापुर तृतीय विधानसभा से हेकानी जखालू और अंगामी सीट से सलहूतुनू क्रुसे को चुनकर विधानसभा में भेजा है और इस तरह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के ठीक पहले इतिहास रचा है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

अंतिम लेकिन सबसे महत्वपूर्ण संदेश विपक्ष के लिए वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर है कि उसे चुनावों को गंभीरता से लेना होगा और जिस तरह से भाजपा चुनावों में अपनी सारी ताकत झोंक देती है, उसी तरह विपक्ष को एकजुट होकर अपनी ताकत लगानी पड़ेगी। विपक्ष को एकजुट हो हरेक सीट पर भाजपा के खिलाफ अपना एक संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करना होगा, तभी वह भाजपा को हरा पाएगा। विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व के सवाल को उन्हें चुनाव से पहले नहीं, चुनाव के बाद के लिए छोड़ देना चाहिए और एकजुट होकर लड़ाई लड़ने पर ध्यान देना चाहिए, तभी बात बन सकती है।

रोजगार की मांग को लेकर भू-विस्थापित अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे

कोरबा। जमीन के बदले रोजगार की मांग को लेकर लगातार आंदोलन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ की ओर से 487 दिनों से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। अब 2 मार्च से कुसमुंडा महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

भू-विस्थापित किसानों से आजीविका के साधन जमीन का अधिग्रहण करने के बाद भी रोजगार नहीं मिलने से आक्रोश भड़कने लगा है। एसईसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन द्वारा भू.विस्थापितों की समस्याओं के प्रति गंभीरता से समस्याओं का निराकरण नहीं करने के खिलाफ आंदोलन किया जा रहा है। प्रत्येक खातेदार को रोजगार देने की प्रक्रिया शुरू करने तक आंदोलन जारी रखने ऐलान किया गया है। किसान सभा के जिला सचिव प्रशांत झा ने कहा कि पुनर्वास और रोजगार के लिए भू.विस्थापित परिवार आज भी भटक रहे हैं। रोजगार देने का सपना दिखाकर किसानों से जमीन

एसईसीएल ने अधिग्रहण कर लिया लेकिन आजीविका का साधन जमीन जाने के बाद रोजगार के लिए किसान भटक रहे हैं। पिछले चार दशकों से भू.विस्थापित रोजगार के लिए एसईसीएल कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोजगार देने से इनकार किया जा रहा है। किसानों के पास संघर्ष के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। एसईसीएल प्रबंधन और सरकार सभी भू.विस्थापित परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने नहीं तो कोयला उत्पादन को भी पूर्ण रूप से बंद किया जाएगा। कोयला से जुड़े किसी भी अधिकारी और मंत्री के दौरे का भी विरोध किया जाएगा। भू.विस्थापित रोजगार एकता संघ के अध्यक्ष रेशम यादव और सचिव दामोदर श्याम ने कहा कि एसईसीएल रोजगार देने के अपने वायदे पर अमल नहीं कर रहा है। जिला प्रशासन के कार्यालयों में सत्यापन और अन्य दस्तावेज तैयार कराने के लिए भू.विस्थापित महीनों चक्कर काट रहे हैं। अब भू.विस्थापितों ने जमीन के बदले रोजगार मिलने तक संघर्ष और तेज करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर 2 मार्च से कुसमुंडा महाप्रबंधक कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दिया गया है। मांग पूरी नहीं होने पर 10 मार्च को कुसमुंडा में महाबंद की चेतावनी दी है।

महापौर ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने निगम के विभिन्न प्रगतिरत विकास व निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, उन्होने कार्यों की गुणवत्ता को देखा तथा निर्माण कार्यों की सतत मानीटरिंग करने, कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने व समयसीमा में कार्यों को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस मौके पर मेयर इन कांउसिल सदस्य सुखसागर निर्मलकर, पालूराम साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा महाराणा प्रताप चौक बुधवारी से के.सी.सी.कालेज की ओर नाले का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, आज महापौर राजकिशोर प्रसाद ने स्थल पर पहुंचकर प्रगतिरत निर्माण कार्य का निरीक्षण किया, वर्क क्वालिटी का परीक्षण किया तथा नाला निर्माण के विभिन्न तकनीकी व व्यवहारिक पहलूओं पर अधिकारियों से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसी प्रकार ओपन थियेटर घंटाघर मैदान के समीप स्मृति उद्यान के बगल से कांशीनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर निगम द्वारा सी.सी. सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। महापौर प्रसाद ने उक्त निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया, कार्यप्रगति को देखा तथा गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिए। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बगल से गुजरने वाली सड़क में सेंट जेवियर्स स्कूल तक पेच रिपेरिंग का कार्य कराया जा रहा है, महापौर प्रसाद ने उक्त स्थल पर पहुंचकर पेच रिपेरिंग कार्य का सघन निरीक्षण किया तथा कार्य के विभिन्न तकनीकी पहलूओं पर आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

सीबीएसई 12 वीं के परीक्षार्थियों को थमा दिया 10 वीं का पर्चा

- अभिवावकों ने भुवनेश्वर रीजनल आफिस को भेजी शिकायत

गरियाबंद। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के गरियाबंद सेंटर में बड़ी लापरवाही सामने आयी है। मामले का खुलासा होने में कुछ विलंब इसलिए हो गया कि कोई भी बताने से बचना चाहते थे,लेकिन बच्चों के अभिवावकों ने जब भुवनेश्वर रीजनल आफिस शिकायत की तो इसका खुलासा हो गया। गलती ये थी कि 12 वीं के परीक्षार्थियों को 10 वीं का पर्चा दे दिया गया था 15 मिनट बाद बच्चों द्वारा जानकारी देने पर परीक्षा प्रबंधन ने हड़बड़ी में पर्चा वापस लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गरियाबंद में संचालित निजी शैक्षणिक संस्थान द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल को सीबीएसई बोर्ड का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। लेकिन इस बार बगैर पर्यवेक्षक के बोर्ड परीक्षा का संचालन हो रहा है, बीते 24 फरवरी को 12 वीं के अंग्रेजी विषय की परीक्षा थी लेकिन इस परीक्षा में 10 वी बोर्ड के अंग्रेजी विषय का प्रश्न पत्र बांट दिया गया। प्रबंधन को गलती का अहसास 15 मिनट बाद हुआ,परीक्षा पेपर देखकर 12 वी के परीक्षार्थियो को पहले तो कुछ समझ में नही आया,फिर कुछ छात्रों ने प्राचार्य को 10 वी बोर्ड का प्रश्न पत्र होना बताया। इस सूचना के बाद सकते में आए प्रबंधन ने आनन फानन में पेपर बदलने की प्रक्रिया शुरू

किया। इस प्रक्रिया में एक घण्टे लग गए।श्रद्धा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य नीलांबर सोनी ने बताया कि प्रबंधन की इस लापरवाही से हमारे संस्थान से गए 16 छात्रों का परीक्षा परिणाम बाधित होगा। सोनी ने बताया कि अदल-बदल के चलते नए सिरे से प्रश्न पत्र हल करने के लिए केवल 2 घण्टे का समय बच्चों को मिला। सोनी के मुताबिक इस बार केंद्र में कोई पर्यवेक्षक की नियुक्ति नही हुई है,ऐसे में केंद्र स्कूल के प्राचार्य से अतिरिक्त समय की मांग किया गया पर मिला नही। बताया जा रहा है कि आहत 16 छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड के भुवनेश्वर स्थित रीजनल ऑफिस में इसकी लिखित शिकायत भेजा है। मामले में द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल के प्राचार्य राहुल घोष ने मीडिया कर्मियों से पूछे जाने पर कहा कि वे प्लाइट में कहीं जा रहे हैं,इसलिए अभी ज्यादा बात नहीं हो सकती,मामले को लेकर जो सच है वही बातें प्रकाशित करें, बच्चों को भी सच बोलना चाहिए।

10 वीं बोर्ड की अंग्रेजी परीक्षा 27 फरवरी को होनी थी,जिसका पर्चा लापरवाही से 24 को ही खुल गया। प्रश्न पत्र 15 मिनट तक 12 वीं के छात्रों के नजर में था,प्रबंधन स्टाफ के हाथों से भी होकर गुजरा,ऐसे में उस पर्चे के गोपनीयता पर सवाल उठना लाजिमी है। 10 वीं के कुछ छात्रों के प्रश्न पत्र में 12 वी के छात्रों के रोल नम्बर अंकित मिले। पर्चा खुलने के बाद उसे पुनः कैसे सील बन्द किया गया होगा इस विषय पर भी कोई चर्चा करने तैयार नहीं।

लापरवाही किसकी, जवाबदारी तय हो

सीबीएसई पैटर्न जैसे संवेदनशील परीक्षा में इस तरह से हुई लापरवाही ने सिस्टम पर सवाल खड़ा कर दिया है।पर्चा परीक्षा केंद्र तक भेजने जिस गोपनीय संस्थान से उसे बाहर निकाला जाता है,उस प्रक्रिया में आधे घण्टे का वक्त लग जाता है। प्रक्रिया पूरी करने में परीक्षा केंद्र व पर्चा रखने वाली कि संयुक्त भूमिका होती है जिन्हें निर्धारित तिथि के लिए तय पर्चा को निकालना होता है। मामला सामने आने के बाद इसे दबाने की कोशिश हो रही है।

जिला शिक्षा अधिकारी जीएस चौहान ने कहा कि सीबीएसई पैटर्न परीक्षा की निगरानी व नियंत्रण की सम्पूर्ण जवाबदारी सीबीएसई रीजनल आफिस की होती है । उनके द्वारा किसी भी गतिविधियों की जानकारी नही दी जाती।गड़बड़ी की बात सामने आई है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

पुत्रियों के विवाह के लिए 25 हजार रूपए की सहायता

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए सूचना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सूचना शिविर से लोगों को योजनाओं और उसके लाभ के बारे में जानकारी मिल रही है। इसी कड़ी में जनसंपर्क विभाग द्वारा विकासखण्ड कोरबा के ग्राम पंचायत गोढ़ी में सूचना शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा बच्चों एवं महिलाओं के विकास के लिए संचालित योजनाओं के बारे में बताया गया। इसके अंतर्गत ग्रामीणों को पोषण पुनर्वास केंद्र, बाल संदर्भ योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत बीपीएल परिवार की पुत्रियों के विवाह के लिए शासन द्वारा 25 हजार रुपए की सहायता के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। शिविर में मछली पालन विभाग द्वारा किसानों के लिए हितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत मछली पालन करने के लिए किसानों को शासन द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं और रियायतों के बारे में विस्तार से बताया गया। पशुधन विभाग द्वारा राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना तथा पशुपालन के लिए किसानों को दी जाने वाली अनुदान के बारे में बताया गया। बैकयार्ड कुक्कुट पालन इकाई के तहत मुर्गी पालन के लिए दिए जाने वाले अनुदान के बारे में बताया गया। साथ ही बकरी पालन

के तहत उन्नत नस्ल के बकरियों के पालन के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया गया।

शिविर में जनपद अध्यक्ष कोरबा हरेश कंवर, जनपद सदस्य सावित्री देवी ,अतिरिक्त सीईओ जनपद कोरबा माहेश्वरी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कोरबा संजय अग्रवाल, बीआरसीसी अनिल राठे सहित गोढ़ी के ग्रामीणजन और आसपास गांव करूमहुआ, बेंदरकोना पंचायत के सचिव भी मौजूद रहे। जनसंपर्क विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए गावों में सूचना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सूचना शिविर में लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं और उसके लाभ के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में जनसंपर्क विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी से संबंधित प्रचार पुस्तिकाओं जैसे हमर माटी हमर कलेवा हमर तिहार, भेट मुलाकात आपके साथ आपकी बात, न्याय के चार साल, जनमन पत्रिका एवं संबल आदि पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

बिना अनुमति निर्माण का प्रयास निगम ने बंद कराया कार्य

- आयुक्त ने कहा-विधिवत अनुमति प्राप्त करने के बाद ही करें भवन निर्माण

कोरबा। निगम से भवन अनुज्ञा प्राप्त किए बगैर महाराणा प्रताप नगर में किए जा रहे भवन के निर्माण कार्य को निगम के अमले ने मौके पर पहुंचकर तुरंत बंद कराया तथा संबंधित को कड़ी हिदायत दी कि वे अवैध निर्माण का प्रयास न करें। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि वे नगर निगम से विधिवत भवन अनुज्ञा प्राप्त करने के बाद ही भवन आदि का निर्माण करें। उन्होने निगम के अधिकारियों को भी कड़े निर्देश दिए हैं कि वे अवैध निर्माण पर सतर्क नजर रखे तथा ऐसे किसी भी अवैध निर्माण पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 24 महाराणा प्रतापनगर अटल आवास के समीप मुख्य मार्ग पर भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया गया था, निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर भवन निर्माण की अनुमति संबंधी जानकारी संबंधित व्यक्ति से ली, जिसमें पाया गया कि नगर निगम से अनुमति प्राप्त किए बगैर ही भवन निर्माण कराया जा रहा है, निगम अमले ने इस पर त्वरित कार्यवाही

करते हुए निर्माण कार्य को बंद करा दिया तथा संबंधित को हिदायत दी कि वे बिना अनुमति निर्माण कार्य प्रारंभ न करें अन्यथा कड़ी कार्यवाही होगी।

आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने बिना अनुमति के किए जाने वाले भवन आदि के निर्माण को गंभीरता से लेते हुए निगम के जोन कमिश्नरों, भवन अधिकारी एवं अन्य मैदानी अधिकारी कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में भवनों आदि के निर्माण पर सतर्क नजर रखें तथा यह देखें कि निगम से भवन अनुज्ञा प्राप्त की गई है या नहीं यदि बिना अनुमति के भवन आदि के निर्माण का प्रयास किया जा रहा है तो इस पर त्वरित कार्यवाही करें। उन्होने संबंधित लोगों से भी कहा है कि वे निगम से विधिवत भवन अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात ही भवन आदि का निर्माण प्रारंभ करें तथा निगम द्वारा की जाने वाली किसी भी प्रकार की कार्यवाही से होने वाली असुविधा से बचें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

2 महिला नक्सली सदस्या ने किया आत्मसमर्पण

दन्तेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों पर बढ़ते दबाव के चलते 02 महिला नक्सली सीएनएम/ मिलिशिया सदस्या कु. लिंगे मड़कमी एवं कु. देवे मड़कमी निवासी नीलावाया थाना गादीरास जिला सुकमा ने आज सुरेन्द्र सिंह कमाण्डेंट 231 बटालियन के प्रयासो से पुलिस अधीक्षक कार्यालय दंतेवाड़ा में आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित दोनो महिला नक्सली सदस्या द्वारा वर्ष 2018 से 2021 तक नक्सली संगठन में जुड़कर सीएनएम/मिलिशिया सदस्या का कार्य कर रही थी तथा गांव वालो को नक्सली विचार धारा के बारे में बताकर प्रचार-प्रसार करना, गांव में बड़े नक्सली लीडरों के आने पर मीटिंग के लिए विचार धारा के बारें में बताकर प्रचार-प्रसार करना, गांव मे बड़े नक्सली लीडरो के आने पर मीटिंग के लिए गांव वाली महिलाओं को डरा धमका कर इकट्ठा करना, जगह जगह पर नक्सली विचारधारा का बैनर/पोस्टर लगाने में शामिल रही हैं।

कोरबा में शांति समिति की बैठक आयोजित

कोरबा। होली त्यौहार के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक उदय किरण के निर्देश पर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन पर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के द्वारा गुरुवार 2 मार्च की संध्या कोतवाली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत वार्ड पार्षद संतोष राठौर, सुक्ष्म दास महंत, रवि चंदेल, धरम निर्मले के अलावा थाना क्षेत्र के नागरिकगण सम्मिलित हुए। नगर निरीक्षक रूपक शर्मा ने सभी लोगों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्द पूर्वक त्यौहार मनाने की अपील किए सभी वार्ड पार्षदों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी शांति पूर्ण होली त्यौहार मनाने में सहयोग करने की बात कही नगर निरीक्षक रूपक शर्मा ने होली त्यौहार के मद्देनजर असामाजिक एवं अपराधिक तत्वों से सख्ती से निपटने की बात कही है।

मातृ एवं शिशु मृत्यु के संबंध में हुई समीक्षा बैठक

रायगढ़। सीएमएचओ डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के आरोग्यम सभाकक्ष में मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में किरोड़ीमल शासकीय जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ.आर.एन.मंडावी, जिला प्रभारी नोडल अधिकारी समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी एवं खंड विस्तार एवं प्रशिक्षण अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु वर्ष 2022-23 की जानकारी लेते हुए विचार विमर्श किया गया। इस दौरान मातृ मृत्यु को नियंत्रित करने हेतु गर्भवती माता का प्रसव केन्द्र अस्पताल में कराने के लिये प्रोत्साहित करने व प्रसव के दौरान प्रशिक्षित नर्सो की व्यवस्था एवं शिशु टीकाकरण के माध्यम से शिशु मृत्यु की दर को नियंत्रित करने के संबंध में उपस्थित स्त्रीरोग विशेषज्ञ चिकित्सक व शिशु रोग चिकित्सकों को पी.पी.आई.यू.सी.डी बढ़ाने, एलएसीएएस बढ़ाने, नियमित समय से ड्यूटी आने के लिये तथा एनीमिक गर्भवती माता पर विशेष ध्यान देने के लिये निर्देश दिया गया।

होली पर्व पर 8 को बंद रहेगी शराब दुकानें

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजीव झा ने होली पर्व के अवसर पर 08 मार्च को शुष्क दिवस घोषित किया है। कलेक्टर ने 08 मार्च को जिले की समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानें, एफएल-3, एफएल-3 क एवं मद्यभाण्डागार तथा भांग घोटा को फुटकर दुकान को पूर्णतः बंद रखे जाने का आदेश जारी करते हुए इसका कड़ाई से पालन कराने के निर्देश आबकारी अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर झा ने जिले के समस्त मदिरा दुकाने एवं मद्यभाण्डागार को बंदी दिवस के पूर्व निर्धारित समय के पश्चात पूर्णतः सीलबंद करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने आबकारी अधिकारियों को बंदी दिवस को अपने प्रभार क्षेत्र में सघन गश्त कर प्रभार क्षेत्र में कहीं भी मदिरा का अवैध विक्रय न होने देना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

कार पेड़ से टकराई, पिता-पुत्र की हालत गंभीर

कवर्धा। कवर्धा के पंडरिया से कवर्धा इलाज कराने आ रहे पिता-पुत्र की कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस घटना से दोनों गम्भीर रूप से घायल है। इन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा कवर्धा से पोंड़ी नेशनल हाईवे में ग्राम सिंघनपुरी के पास गुरुवार दोपहर लगभग 3 बजे हुआ है। डॉयल 112 की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मिली जानकारी के अनुसार हादसे में पंडरिया निवासी रामेश्वर कुलमित्र पिता हेमूप्रसाद कुलमित्र उम्र 69 व पुष्कर कुलमित्र पिता रामेश्वर कुलमित्र उम्र 43 घायल हुए है। ये दोनों कवर्धा आ रहे थे। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, दोनों को गंभीर चौट आई है। हादसे का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। बताया जा रहा है कि कार सीधे हाईवे किनारे स्थित पेड़ में जा टकराई। मौके पर राहगीरों ने घायलों की मदद की। डॉयल 112 की सूचना दी गई।

भोरमदेव महोत्सवः कला और संस्कृति को मिलेगा मंच

कवर्धा। कवर्धा में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर के नाम से आयोजित होने वाले भोरमदेव महोत्सव 2023 का आयोजन 19 और 20 मार्च को किया जाएगा। यह 27वां भोरमदेव महोत्सव होगा। छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातत्विक, धार्मिक, पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व के स्थल भोरमदेव मंदिर की ख्याति को बढ़ाने प्रति वर्ष महोत्सव का आयोजन किया जाता है। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने भोरमदेव महोत्सव के प्रारंभिक तैयारियों को ध्यान में रखते हुए भोरमदेव सनातन तीर्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों और जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से

भोरमदेव महोत्सव स्थल का अवलोकन किया।

इस दौरान जेडा सदस्य कन्हैया अग्रवाल, कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित ट्रस्ट के सदस्य एवं जिला स्तरीय अधिकारी, एसडीएस सहित अधिकारीगण उपस्थित थे। अवलोकन के बाद कलेक्टर ने भोरमदेव सनातन तीर्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों और जिला स्तरीय अधिकारियों साझा बैठक कर महोत्सव के आयोजन की रूप रेखा के संबंध में प्रारंभिक चर्चा की। भोरमदेव मंदिर के प्रधान पुजारी ने बताया कि इस बार पंचांग के अनुसार भोरमदेव महोत्सव की तिथि 19 और 20 मार्च को निकल रही है। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा ने बैठक में भोरमदेव महोत्सव की ख्याति को देश दुनिया तक बढ़ाने के लिए प्रभावी सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति और परम्पराओं पर आधारित लोक कलाकारों को मंच देने का भी सुझाव दिए। कलेक्टर ने आयोजन की तैयारी की प्रारंभिक चर्चा की। पूर्व महोत्सव की तैयारी के लिए विभाग वार दिए गए दायित्वों की भी जानकारी ली। उसी आधार पर इस वर्ष भी आयोजन की प्रारंभिक तैयारी करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए आवेदन 13 मार्च तक

भोरमदेव महोत्सव 2023 में कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए आवेदन 13 मार्च 2023 तक जिला कार्यालय कबीरधाम के कक्ष क्रमांक 22 वरिष्ठ लिपिक शाखा में प्रस्तुत कर सकेत है।

राजनांदगांव शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बकायेदारों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही

- 5489 बकायेदारों से वसुल की गई 3 करोड़ 23 लाख की बकाया राशि

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं से बकाया राजस्व वसूली के लिए व्यापक स्तर पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में राजनांदगांव संभाग के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मॉस डिस्कनेक्शन के लिए गठित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीमों द्वारा राजनांदगांव पश्चिम जोन, पूर्वी जोन, बोरी उपसंभाग, सोमनी उपसंभाग एवं ग्रामीण उपसंभाग के 5489 बकायादार उपभोक्ताओं से 3 करोड़ 23 लाख रूपए की राशि की वसूली की गई तथा समझाइश के बाद भी बिजली बिल का भुगतान नही करने वाले 2545 बकायादारों के विद्युत कनेक्शन काटी दी गई है। विदित हो कि बिजली कंपनी द्वारा बिजली बिल देयकों के भुगतान में विलंब होने पर उपभोक्ताओं का लगातार ध्यान आकृष्ट कराया जा रहा है, जिससे वे बिजली बिल समय पर जमा कर देवें। मैदानी अधिकारी एवं उनकी टीम बकायेदार उपभोक्ताओं के पास स्वयं पहुंचकर बिजली बिल पटाने के लिए अनुरोध भी कर रहे हैं।

इस अभियान के तहत राजनांदगांव संभाग के 2545 उपभोक्ताओं के कनेक्शन जिन पर 2 करोड़ 34 लाख रूपए की राशि बकाया था, ऐसे बकायेदार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन बकाया भुगतान नहीं किये जाने पर काट दिए गये हैं। इस अभियान के दौरान मीटर रीडिंग के लिए अनुबंधित मीटर रीडरों के द्वारा संपादित किये जा मीटर वाचन के कार्यो का भी निरीक्षण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

पेगासस मोबाइल में नहीं राहुल के दिमाग में है : अनुराग ठाकुर

नईदिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पेगासस मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया बयान पर जमकर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, राहुल गांधी फिर से विदेशी धरती पर होहल्ला करने का काम कर रहे हैं। उनके दिमाग में पेगासस है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया भर में भारत का सम्मान बढ़ा और बड़े नेता कह रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इटली की प्रधानमंत्री ने क्या कहा, शायद उन्होंने (राहुल गांधी) सुना नहीं था, उन्होंने (जॉर्जिया मेलोनी) कहा कि पीएम मोदी को दुनियाभर में लोग प्यार करते हैं। केंद्रीय मंत्री पेगासस मामले पर कहा कि ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उन्होंने अपना फोन जमा नहीं कराया। अनुराग ठाकुर ने कहा, कल (चुनाव) के नतीजे बताते हैं कि कांग्रेस का एक बार फिर से सफाया हो गया है। कांग्रेस लोगों के जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रही है और गुरुवार के नतीजे बताते हैं कि लोग पीएम मोदी पर भरोसा करते हैं।

संगमा ने पेश किया मेघालय में सरकार बनाने का दावा

शिलांग। मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) प्रमुख और मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने चुनाव में जीत के अगले ही दिन यानी शुक्रवार को राज्यपाल से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। मीडिया से बातचीत में संगमा ने कहा कि भाजपा ने हमें अपना औपचारिक समर्थन दिया है। भाजपा के अलावा अन्य राजनीतिक दलों ने भी अपना समर्थन दिया है। हमारे पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या है। संगमा ने बताया कि उनके शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, हमें सूचित किया गया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शायद पीएम शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। हम पीएमओ से पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहे हैं। चुनाव में एनपीपी ने 26 सीटों पर जीत हासिल की है। भाजपा के खाते में दो, यूडीपी को 11 सीटों पर जीत मिली है। इसके अलावा कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस को पांच-पांच सीटें मिली हैं।

सोनिया गांधी की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में हुई भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सामने आई जानकारी के अनुसार उन्हें बुखार की शिकायत है। इसके बाद उन्हें गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं और हालत स्थिर है। सर गंगाराम अस्पताल की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन में बताया गया है कि सोनिया गांधी का चेस्ट मेडिसिन डिपार्टमेंट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अरूप बासु की निगरानी में इलाज चल रहा है। उनकी कई जांच की जा रही है और फिलहाल स्थिति स्थिर है। बता दें कि राहुल गांधी भी अभी भारत में नहीं हैं और ब्रिटेन के दौरे पर हैं। इससे पहले पिछले साल अगस्त में सोनिया गांधी दूसरी बार कोरोना से संक्रमित हो गई थीं। वहीं, पिछले साल जून में भी सोनिया गांधी कोरोना वायरस से संक्रमण के बाद कई दिनों तक सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती रही थीं।

अखिलेश ने योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी का दिया जवाब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की विधानसभा में समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था कि यह देश समाजवाद से नहीं बल्कि राम राज्य से ही चलेगा। सीएम योगी ने समाजवाद को अप्रासंगिक बताते हुए कहा था कि सपा के लोगों ने समाजवाद के नाम पर पाखंड किया और केवल अपने लोगों को मजबूत करने का काम किया। अब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी के बयान का जवाब दिया है। उन्होंने कहा, जो रामराज्य है वही समाजवाद है। बीजेपी वाले कहते हैं सबका साथ सबका विकास। समाजवादी सिद्धांतों पर चले बिना सबका साथ सबका विकास कैसे संभव है? भाजपा के लोग बाबा साहब का दिया संविधान नहीं मानते। ये संविधान को बदलना चाहते हैं। समाजवाद शब्द सरकार तक में कह रही है कि यह शब्द बाद में आया। लेकिन अगर हम अपने समाज को देखें और समझें तो भारतीय समाज हमेशा समाजवादी रूप में ही आगे बढ़ा है।

जो भी सच बोल रहा, उसकी आवाज को दबाया जा रहा

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर जासूसी का एक बार फिर से बड़ा आरोप लगाया है। इसको लेकर अब राजनीति तेज हो गई है। भाजपा राहुल गांधी को घेरने की कोशिश कर रही है तो वहीं विपक्षी नेता राहुल गांधी के बयान के बाद से एक बार फिर से सत्ता पक्ष पर हमलावर हो गई हैं। उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने एक बार फिर से दावा किया है कि हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। दरअसल, आदित्य ठाकरे से राहुल गांधी के आरोपों के संदर्भ में सवाल पूछा गया था। इसके ऊपर उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पूरी दुनिया को पता है कि हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। शिवसेना के युवा नेता ने कहा कि मुझे यह नहीं पता कि राहुल गांधी का फोन टैप किया जा रहा है या नहीं। मगर यह बात तो सच है कि आज जो भी व्यक्ति सत्य बोलने की कोशिश कर रहा है उसे एजेंसियों का प्रयोग कर उसकी आवाज को दबाया जा रहा है।

कर्नाटक के दौरे पर पहुंचे अमित शाह ने कहा-

तीनों राज्यों में कांग्रेस का हो गया सफाया

बेंगलुरु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक के बीदर में कहा कि गुरुवार को त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय के नतीजे घोषित हुए और इन राज्यों से कांग्रेस का सफाया हो गया और वे इस कदर हार गए हैं कि उन्हें दूरबीन से भी नहीं देखा जा सकता है। कहा जा रहा था कि बीजेपी पूर्वोत्तर में प्रवेश नहीं कर सकती, लेकिन वहां दूसरी बार बीजेपी और एनडीए की सरकार बन रही है. पीएम मोदी का जादू हर जगह काम करता है चाहे पूर्वोत्तर हो, गुजरात हो, यूपी हो या कर्नाटक, हर जगह काम करता है।

अमित शाह ने कहा कि विजय संकल्प रथ यात्रा जल्द ही शुरू होने वाली है, और यह भाजपा के विजय (विजय) के संकल्प का प्रतीक नहीं है, बल्कि गरीब जनता के विजय के लिए, गरीब लोगों के कल्याण के लिए संकल्प है। आपकी उपस्थिति बता रही है कि कर्नाटक में बीजेपी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने वाली है। कल ही त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय तीनों जगहों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। हारे तो हारे लेकिन ऐसे हारे हैं कि दूरबीन लेकर भी नहीं दिख रहें। आज यहां से विजय संकल्प यात्रा शुरू हो रही है। ये विजय संकल्प यात्रा हमारे नेता को मुख्यमंत्री बनने का संकल्प नहीं है बल्कि ये विजय संकल्प यात्रा कर्नाटक के गरीब से गरीब लोगों के कल्याण करने के संकल्प को लेकर है। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। ये नारे लगा रहे हैं मोदी तेरी कब्र खुदेगी, आम आदमी पार्टी वाले कह रहे हैं मोदी तुम मर जाओ। ऐसा कहने से ईश्वर आपकी नहीं सुनेगा, क्योंकि देश की 130 करोड़ जनता मोदी जी की लंबी आयु के लिए प्रार्थना कर रही है। यह स्थान सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने पुलिस कार्रवाई की मदद से इस क्षेत्र और देश को निजामों के चंगुल से मुक्त कराने में मदद की।

कांग्रेस की हार का जिम्मेदार राहुल गांधी : ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में कांग्रेस की हार का जिम्मेदार राहुल गांधी को ठहराया है। भाजपा नेता ने कांग्रेस की हार पर राहुल गांधी के नए लुक का जिक्र किया और तंज लहजे में कहा कि तीन राज्यों के नतीजों के लिए राहुल गांधी जिम्मेदार हैं, अब उनका कोई और लुक देखना बाकी रह गया है क्या? सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस के धीरे-धीरे पूरे देश ही ने नकार दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के नतीजे आए हैं, इससे साफ हो गया है कि भारत जोड़ो यात्रा और राहुल गांधी का कोई असर नहीं हुआ है।

भाजपा नेता ने कहा, पूर्वोत्तर ने साल की शुरुआत में ही कांग्रेस की हालत खराब कर दी है। सिंधिया ग्वालियर में हैं। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश में होने वाले आगामी चुनाव का भी जिक्र किया और कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति कितनी बुरी होनावाली है इसके रुझान मिलने शुरू हो गए हैं। सिंधिया ने यहां तक कह दिया कि साल के आखिरी में यहां चुनाव है और ऐसा न हो कि तब तक कांग्रेस पार्टी बचे ही न। गुरुवार को पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के आए नतीजे के मुताबिक, त्रिपुरा में कांग्रेस को 3 सीटें मिलीं। वहीं मेघालय में सिर्फ 5 सीटों से ही पार्टी को संतोष करना पड़ा। वहीं नगालैंड में कांग्रेस एक भी सीट जीत नहीं पाई। तीन राज्यों में कुल मिलाकर कांग्रेस के खाते में सिर्फ 8 सीटें आईं।

कांग्रेस पूर्वोत्तर राज्यों में विकास कराया होता तो हथियार नहीं उठाते लोग : अनिल विज

अंबाला (हरियाणा)। नागालैंड, त्रिपुरा, मेघालय में भाजपा गठबंधन की जीत पर पूरे देश में भाजपा जश्न मना रही है। शुक्रवार को अंबाला में गृहमंत्री अनिल विज ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए पूर्व की कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हमेशा विकास से महरूम रहा। कांग्रेस सरकार ने यदि इस क्षेत्र में विकास किया होता तो इस क्षेत्र के लोग कभी हथियार न उठाते। गृहमंत्री ने ट्वीट किया-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद इस क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दिया । लगभग 48 बार पीएम नरेंद्र मोदी इस क्षेत्र में गए और वहां के लोगों का दिल जीत लिया। गृहमंत्री विज ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य जिनकी सीमा चीन से सटी हुई है, देश की मुख्य धारा में जुड़ गए जो देश की एकता और अखंडता के लिए बहुत आवश्यक है । गौरतलब है कि एक दिन पहले ही पूर्वोत्तर के नागालैंड, त्रिपुरा, मेघालय में भाजपा गठबंधन ने जीत दर्ज कराई है। इसके बाद देशभर में भाजपा जश्न मना रही है।

मोदी कप्तान हों तो सुबह नेट प्रैक्टिस शुरू होती है और वे विकेट चाहते हैं: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को रायसीना डायलॉग में संबोधित कर रहे थे। चर्चा के दौरान मंच पर उनके साथ इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन भी मौजूद थे। इस दौरान क्रिकेट का जिक्र हुआ। उनसे यह पूछा गया कि जब प्रधानमंत्री मोदी आपके कप्तान हों तो क्या आप आक्रामक खेल दिखाते हैं या बाउंड्री रोकते हैं? इस पर जयशंकर ने दिलचस्प तरीके से जवाब दिया।

जयशंकर ने कहा, मोदी कप्तान हों तो बहुत सारी नेट प्रैक्टिस की जरूरत होती है। नेट प्रैक्टिस सुबह छह बजे शुरू होती है और फिर काफी देर तक चलती है। मुझे यकीन है कि केविन पीटरसन मेरी बात से सहमत होंगे कि अगर आपके पास कोई ऐसा गेंदबाज है, जिस पर आपको भरोसा है और जिसका

प्रदर्शन आपने देखा है तो आप उसे स्वतंत्रता देते हैं।

विदेश मंत्री ने आगे कहा, आप उसे सही क्षण पर गेंदबाजी का मौका देते हैं और आप उस पर यह भरोसा करते हैं कि वह किसी विशेष परिस्थिति का सामना कर लेगा। इस परिप्रेक्ष्य में कैप्टन मोदी अपने गेंदबाजों को स्वतंत्रता देते हैं और फिर यह उम्मीद करते हैं कि आप विकेट लें।

उन्होंने कोरोना का जिक्र करते हुए कहा, ...लेकिन कुछ मुश्किल फैसले भी होते हैं। जैसे लॉकडाउन का फैसला बहुत कठिन निर्णय था, लेकिन वह निर्णय तब जरूरी था। आज हम पीछे देखते हैं तो यह सोचते हैं कि अगर हमने वह फैसला नहीं लिया होता तो क्या होता?

विदेश मंत्री डॉ जयशंकर ने विदेश नीति में बढ़ती दिलचस्पी को लेकर कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया एक कठिन जगह पर है, ज्यादा लोग दुनिया में रुचि ले रहे हैं। दूसरी वजह भारत का वैश्वीकरण है। एक क्रिकेट टीम की तरह हम सिर्फ घरेलू मैदान पर ही नहीं बल्कि विदेश में भी मैच जीतना चाहते हैं।

सिसोदिया ने निचली अदालत का खटखटाया दरवाजा

■ राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की जमानत अर्जी

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अब जमानत के लिए निचली अदालत का दरवाजा खटखटाया है। मनीष सिसोदिया ने राउज एवेन्यू कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल के हैं। सूत्रों के मुताबिक मनीष सिसोदिया की याचिका पर शनिवार को सुनवाई हो सकती है। इससे पहले शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से मना कर दिया था। उस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा था कि जमानत के लिए सीधे-सीधे सर्वोच्च अदालत में पहुंच जाना एक गलत परंपरा है। इसके साथ ही कोर्ट ने उन्हें निचली अदालत का रुख करने को कहा था। आपको बता दें कि दिल्ली में कथित शराब घोटाले को लेकर मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने रविवार को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह सीबीआई की हिरासत में हैं। सीबीआई उनसे लगातार पूछताछ कर रही है। गिरफ्तारी के बाद मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के उप मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। दिल्ली में वह 18 विभागों का मंत्रालय संभाल रहे थे।

पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत बढ़ी

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पिता पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में कांग्रेसी नेता पवन खेड़ा को अंतरिम जमानत अभी जारी रहेगी। यह राहत 17 मार्च तक है। आपको बता दें कि असम पुलिस ने पवन खेड़ा को गिरफ्तार किया था। इस मामले को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा तथा न्यायमूर्ति जेबी पादरीवाला की पीठ ने इस प्रकरण को समय के अभाव के कारण 17 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया। पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और असम के जवाब रिकॉर्ड में नहीं हैं और वह याचिका पर होली की छुट्टी के बाद सुनवाई करेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि खेड़ा को दी गई अंतरिम जमानत को 17 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। इससे पहले, 27 फरवरी को अदालत ने कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा को दिए गए संरक्षण की अवधि शुक्रवार तक के लिए बढ़ा दी थी।

खेल
प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में भारत को 9 विकेट से हराया

इंदौर। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में टीम इंडिया को 9 विकेट से हरा दिया है। इंदौर में ऑस्ट्रेलिया को चौथी पारी में जीत के लिए आसान 76 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे उसने मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को पहले सत्र के खेल में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी जगह पक्की कर ली है।

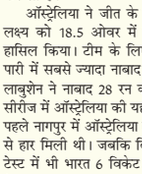

ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 76 रन के लक्ष्य को 18.5 ओवर में एक विकेट गंवा कर हासिल किया। टीम के लिए ट्रेविस हेड ने दूसरी पारी में सबसे ज्यादा नाबाद 49 रन बनाये। मार्नुस लाबुशेन ने नाबाद 28 रन का योगदान दिया। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की यह पहली जीत है। इससे पहले नागपुर में ऑस्ट्रेलिया को 132 रन और पारी से हार मिली थी। जबकि दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी भारत 6 विकेट से जीत हासिल करने में कामयाब रहा था।

इससे पहले गुरुवार को चेतेश्वर पुजारा के अर्धशतक के बावजूद भारतीय टीम नाथन लियोन (64 रन पर आठ विकेट) की फिरकी के जादू के सामने मैच के दूसरे दिन दूसरी पारी में 163 रन पर ढेर हो गई थी। इससे मेहमान टीम को 76 रन का लक्ष्य मिला। पुजारा (142 गेंद में 59 रन, पांच चौके, एक छक्का) के अलावा कोई बल्लेबाज लियोन का दूसरी पारी में डटकर सामना नहीं कर पाया था। लियोन ने मैच में 99 रन देकर 11 विकेट चटकाए। पुजारा के अलावा सिर्फ श्रेयस अय्यर (26) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। हालांकि, दूसरी पारी में भी टीम इंडिया के बल्लेबाजों की खराब बैटिंग ने भारतीय फैंस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सीरीज का चौथा और आखिरी टेस्ट 9 मार्च से अहमदाबाद में खेला जाएगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 900 अंक चढ़ा निफ्टी 17600 के पास

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार ने दम दिखाया है। शुक्रवार के दिन सेंसेक्स 899.62 अंकों की बढ़त के साथ 59,808.97 अंकों पर पहुंच गया। निफ्टी में 272.45 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और यह 17594.35 अंकों के लेवल पर कारोबार करते हुए बंद हुआ। शुक्रवार को कारोबारी सेशन के दौरान अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 16 प्रतिशत का उछाल आया। वहीं यूनियन बैंक के शेयर नौ प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान निवेशकों की संपत्ति करीब 3.4 लाख करोड़ रुपये बढ़ी। माना जा रहा है कि बाजार की तेजी के पीछे सकारात्मक वैश्विक रुझान और घरेलू कारक दोनों थे। शुक्रवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 63 पैसे मजबूत होकर 81.97 के लेवल पर बंद हुआ।

सर्विस सेक्टर फरवरी में 12 वर्षों के उच्चतम स्तर पर

नईदिल्ली। सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में फरवरी महीने के दौरान वृद्धि दर 12 वर्षों के उच्च स्तर पर रही। शुक्रवार को जारी एक मंथली सर्वेक्षण में यह कहा गया। उत्पादन में आई तेजी और लागत में कमी की वजह से देश के सर्विस सेक्टर का प्रदर्शन बीते महीने शानदार रहा। एस एंड पी सर्विस परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स फरवरी महीने में बढ़कर 59.4 तक पहुंच गया। जनवरी में यह 57.2 पर था। सर्विस परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स लगातार 19वें महीने 50 अंक से अधिक है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स की भाषा में 50 से अधिक अंक गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से कम अंक का अर्थ संकुचन है। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट सूचकांक जो सेवाएं एवं विनिर्माण उत्पादन का संयुक्त रूप से आकलन करता है वह जनवरी के 57.5 से बढ़कर फरवरी में 9 हो गया।

10,000 मेगावॉट का सोलर प्लांट आंध्र में लगाएंगे अंबानी

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के लिए मुकेश अंबानी ने बड़ी घोषणा की है। वह राज्य में ऐसा कुछ करेंगे कि वहां 50 हजार लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो।

देश भर में आंध्र प्रदेश के प्रोडक्ट को पहुंचाने के लिए रिलायंस रिटेल राज्य से कृषि, कृषि आधारित उत्पादों और अन्य उत्पादों की अधिक से अधिक खरीद करेगा। साथ ही कंपनी राज्य में 10 गीगावाट या कहें तो 10,000 मेगावाट की क्षमता का सोलर पॉवर प्लांट लगाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में यह घोषणा की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के उपस्थिति में अंबानी ने रिटेल सेक्टर में हो रही क्रांति का जिक्र करते हुए कहा कि रिलायंस रिटेल ने आंध्र प्रदेश के 6 हजार गांवों में एक लाख 20 हजार से अधिक किराना व्यापारियों के साथ साझेदारी की है।

टाटा मोटर्स ने उत्पादन में 50 लाख का आंकड़ा पार किया

नईदिल्ली। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने यात्री वाहन उत्पादन के मामले में संयुक्त रूप से 50 लाख के आंकड़े को पार कर लिया है। कंपनी ने 10 लाख यात्री वाहनों का आंकड़ा 2004 में , और 20 लाख वाहन निर्माण का आंकड़ा 2010 में पार किया था। टाटा मोटर्स ने 30 लाख का आंकड़ा 2015 में जबकि 40 लाख वाहन निर्माण का आंकड़ा 2020 में पार किया था। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने एक बयान में कहा, प्रत्येक 10 लाख से अगले आंकड़े तक जाने की यह यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी है। कंपनी ने कहा कि उसने कोविड महामारी और पूरी दुनिया के वाहन उद्योग को प्रभावित करने वाले सेमीकंडक्टर की कमी के संकट के बावजूद तीन साल के भीतर 40 लाख कारों से 50 लाख इकाइयों तक पहुंचने का कारनामा कर दिखाया।

वैश्विक व्यापार और वित्तीय वैश्वीकरण का द्वंद्व

के पी कृष्णन

दुनिया अब तीन खेमों में बंट चुकी है। एक समूह ऐसे लोगों का है जो व्यापार और वित्तीय वैश्वीकरण दोनों का समर्थन करते हैं। दूसरा समूह ऐसे लोगों का जो राज्य का नियंत्रण चाहते हैं और दोनों तरह की स्वतंत्रता का विरोध करते हैं। तीसरा समूह उन लोगों का है जिनमें से कुछ सोचते हैं कि व्यापार की स्वतंत्रता होनी चाहिए लेकिन वित्तीय मोर्चे पर नहीं। संक्षेप में कहें तो वित्तीय वैश्वीकरण का भय तीन तर्कों पर आधारित है- प्राक्कर्ता देशों में विनिमय दर में विसंगति आना, वैश्विक वित्तीय प्रवाह से जुड़ी अनिश्चितताएं और मौद्रिक नीति में स्वायत्तता को क्षति।

उदाहरण के लिए वित्तीय वैश्वीकरण का विरोध करने वाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व तथा कई प्रमुख वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा हाल ही में की गई आक्रामक मौद्रिक सख्ती की ओर संकेत करते हैं तथा विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था में इसके कारण उत्पन्न दिक्कतों का उल्लेख करते हैं। जब विकसित देशों के केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाते हैं तो वैश्विक पूंजी विकासशील देशों से बाहर जाती है। इससे मुद्रा का अवमूल्यन होता है और मुद्रास्फीति बढ़ती है। कहा जाता है कि दूरदराज घटी घटनाओं ने भी भारत को प्रभावित किया है।

जब उत्तर कोरिया यह तय करता है कि वह शेष विश्व के साथ व्यापार नहीं करेगा तो ऐसा करके वह वैश्विक व्यापारिक झटकों से भी बचता है। दूसरी ओर दुनिया के साथ कारोबार में शामिल होने का अर्थ है परस्पर निर्भरता। कह सकते हैं आयात की सुविधा, बेहतरीन वैश्विक केंद्रीय प्रसंस्करण इकाइयां तो आती हैं लेकिन कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा आपूर्ति की बाधाओं के साथ।

अगर भारत ने भी उत्तर कोरिया की तरह वैश्वीकरण की राह रोकी होती तो क्या होता?

यह उन भारतीय कंपनियों के कई उदाहरणों में से एक है जिनके पास भौतिक संपत्तियां कम हैं लेकिन वे बड़ी पूंजी जुटाने में कामयाब रहीं। बिना वित्तीय वैश्वीकरण के यह असंभव था। भारतीय फाइनैंसर अपने आईटी उद्योग को तब तक नहीं समझ सके जब तक यह स्थापित नहीं हो गई। वेंचर कैपिटल या निजी इक्विटी या आईपीओ, परिवक्रता के हर मोड़ पर विदेशी पूंजी ने जोखिम उठाया तब जाकर यह श्रेणी स्थापित हो सकी। इसी प्रकार यह कल्पना करना मुश्किल है कि अगर विदेशी पूंजी नहीं होती तो देश में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा निवेश कैसे होता। इसमें ईएसजी फंड ने नेतृत्व किया। अब देखते हैं तीन दलीलें जो वित्तीय वैश्वीकरण के खिलाफ हैं।

क्या हमें विनिमय दर की विसंगति को लेकर चिंतित होना चाहिए? हमें यार रखना होगा कि विनिमय दर एक और मूल्य भर है और मुक्त बाजार जानता है कि सही मूल्य कैसे हासिल होगा। हमें ऐसे अधिकारियों और अर्थशास्त्रियों पर सवाल उठाना चाहिए जो सोचते हैं कि उन्हें स्टील, बिजली, पेट्रोल या किसी भी विनिमय दर का सही मूल्य मालूम है। सभी बाजारों में कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है ताकि मांग और आपूर्ति का संतुलन बना रहे।

सभी बाजारों की तरह यहां भी ऐसे प्रतिभागी होते हैं जो एक खास स्तर की मूल्य अस्थिरता नहीं चाहते। उनके लिए वित्तीय व्यवस्था एक शुल्क की बदौलत बिकवाली से बचाव मुहैया कराती है। जो तयशुदा मूल्य की शांति और स्थिरता चाहते हैं वे एक खास कीमत पर इसे पा सकते हैं। उन्हें चर मूल्य का सशुल्क तयशुदा कीमत के साथ विनिमय करना होता है। हर व्यक्ति या हर कंपनी को ये निर्णय लेने होते हैं। जोखिम के बदले इन बाजारों का लाभ लेने के लिए वित्तीय आर्थिकी की मजबूत समझ जरूरी है। भारत में इस क्षेत्र में अभी काफी कुछ करने की आवश्यकता है।

राजनीतिक चक्रव्यूह को भेदने में लगे केजरीवाल

आलोक कुमार

अपने सियासी सफर के खासमखास साथी मनीष सिसोदिया और सतेंद्र जैन के भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने के बाद भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के हौसले में फर्क पड़ता नज़र नही आ रहा और न ही वह परिस्थितियों के आगे हार मानने को तैयार हैं। बल्कि अब भी नुकीले सियासी दांव पेंच से भारतीय जनता पार्टी को % तू डाल डाल, मैं पात पात% के अंदाज से निपटने में लगे हैं। नया प्रकरण दिल्ली सरकार की ओर से पहली मार्च को जारी अधिसूचना है। यह मुख्यमंत्री की सहमति से प्रशासनिक स्तर पर जारी की गई है। उसमें गिरफ्तार हुए मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के नाम को बिना विभाग के मंत्री के तौर पर मंत्रिमंडल में शामिल रखा गया है। यह अधिसूचना दिल्ली के एलजी कार्यालय के लिए मुश्किल का सबब बन गया है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उप राज्यपाल से विधायक आतिशी मार्लिना और सौरभ भारद्वाज का नाम भेजकर अनुरोध किया है कि दोनों को नए मंत्री के तौर पर शपथ दिला दी जाए। दिल्ली सरकार में सिर्फ सात मंत्री ही होने की संवैधानिक बाध्यता है। लिहाजा, नए मंत्रियों को शपथ दिलाने के लिए अधिसूचना में रिक्त पद दिखाए जाने की अनिवार्यता है। उटपटांग सी लग रही यह अधिसूचना कानूनी सलाहकारों की नज़र में विधिसम्मत है। वैधानिक रूप से दिल्ली के किसी मंत्री का इस्तीफा मंजूर करने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को है। जब तक राष्ट्रपति कार्यालय से इस्तीफा मंजूर करने की अधिसूचना जारी नहीं होती तब तक उसका नाम मंत्रिमंडल में शामिल रखना कानून सम्मत है। पहली मार्च तक राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से गिरफ्तार मंत्रियों के इस्तीफे मंजूर किए जाने की कोई सूचना सार्वजनिक नहीं हुई है लिहाजा उनका नाम दिल्ली सरकार की अधिसूचना में मुख्यमंत्री ने शामिल रखा है। मुख्यमंत्री केजरीवाल को कानून की आड़ में फेंकी गई नई सियासी गुगली के मारक असर का पता है। लिहाजा मुख्यमंत्री ने मीडिया के समक्ष मुस्कुराते हुए कहा कि नए मंत्रियों की शपथ की तारीख हासिल करने में बीस से पच्चीस दिन का समय लग सकता है। नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद ही इनके बीच विभागों का बंटवारा किया जायेगा। केजरीवाल का सियासी चक्कल्स है कि घोषणा के बावजूद आतिशी और सौरभ को फिलहाल मिनिस्टर इन वेटिंग ही रहना होगा। यह मीडिया में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से जेल गए दोनों मंत्रियों के त्यागपत्र कबूल होने की हंगामेदार उद्घोषणा के बाद की स्थिति है। अब जब राष्ट्रपति कार्यालय से जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सिसोदिया और जैन के इस्तीफे को मंजूर करने की सूचना जारी होगी, फिर मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से फिलहाल बिना विभाग मंत्री दिखाए गए दोनों का नाम हटाकर नई अधिसूचना जारी की जाएगी। तब जाकर उप राज्यपाल के लिए दो नए मंत्रियों को शपथ दिलाने का अवसर आयेगा। केजरीवाल के इस गेमप्लान से जुड़े कुछ आशावादियों की समझ है कि यह विश्वस्त साथी सिसोदिया और जैन के लिए कुछ और समय तक मंत्री पद खाली रखने की चाल है। इस दरम्यान वकीलों की मजबूत दलीलों से न्यायालय अगर मेहरबान हुआ तो सिसौदिया और जैन को जमानत मिल सकती है। जमानत मिलते ही दोनों को तत्काल मंत्री पद लौटाया जा सकता है। जमानत मिलने की उम्मीद में साढ़े आठ महीने तक मंत्री सतेंद्र जैन से इस्तीफा नहीं लिया गया था। वह आर्थिक अपराध के लिए ईडी के शिकंजे में फंसे हैं। जेल में उनके लिए उपलब्ध सुविधापूर्ण जीवन की लीक हुई वीडियो ने जमानत की आस को धूमिल कर रखा है। इसी तरह मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के साथ ही सीबीआई को अदालत से पांच दिनों का रिमांड हासिल करने में कोई मुश्किल नहीं आई। उसे देखते हुए आने वाले दिनों में मनीष की मुश्किल और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। सबसे मजबूत साक्ष्य आबकारी घोटाले के सबूतों को मिटाने की कोशिश का है। साथ ही अधिकारी अनिल अरोड़ा का 164 का बयान है। जिसे अदालत ने शराब घोटाले में मंत्री सिसोदिया की संलिप्तता का ठोस सबूत मान रखा है। गौरतलब है कि 28 दिसंबर 2013 को आम आदमी पार्टी ने पहली बार दिल्ली में सरकार बनाई थी। अब यह सवा नौ साल बाद मार्च 2023 का वक्त है जब आप को उन्हीं आरोपों ने अपने आगोश में समेट लिया है जिसके खिलाफ लड़ती हुई दिखते हुए उसने सत्ता का स्वाद चखा।

पूर्वोतर में नहीं मिला राहुल की यात्रा का लाभ

अजय सेठिया

पूर्वोतर के तीनों राज्यों में दुबारा भाजपा और भाजपा समर्थक दलों की सरकार बन रही है। कांग्रेस को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का कोई राजनीतिक फायदा नहीं मिला। वह मेघालय में 21 सीटों से घट कर पांच पर आ गई, नगालैंड में उसका खाता ही नहीं खुला। त्रिपुरा में जरुर कम्युनिस्टों की मदद से तीन सीटें जीत गई, जबकि पिछली बार उसका खाता ही नहीं खुला था।

त्रिपुरा में फिर से भाजपा को अपने बूते पर बहुमत मिल गया। नगालैंड और मेघालय में भाजपा की सीटें तो नहीं बढ़ीं, लेकिन भाजपा के सहयोगियों की सीटों में जोरदार इजाफा हुआ। इस तरह भारत जोड़ो यात्रा के बाद भाजपा ने कांग्रेस को पहली मात दे दी है।

त्रिपुरा में उम्मीद के मुताबिक ही टिपरा मोथा पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी से ज्यादा उसकी सहयोगी आईपीएफटी को भारी नुकसान पहुंचाया है। भाजपा को 36 की बजाए 32 सीटें मिलीं, लेकिन उसकी सहयोगी आईपीएफटी की सात सीटें घट गई, वह आठ सीटों से एक पर आ गई। टिपरा मोथा पार्टी हालांकि पहली बार चुनाव लड़कर 13 सीटें ले गई, लेकिन वह किंग मेकर नहीं बन पाई, जैसी कि चुनावों के दौरान भविष्यवाणी की जा रही थी।

अगर आखिरी चुनाव रैली में टिपरा मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत देब बर्मन हथियार न डालते तो वह भाजपा को ज्यादा नुकसान पहुंचाते और टिपरा मोथा किंग मेकर की भूमिका में जरुर होती। प्रद्योत ने यह कह कर अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली थी कि चुनावों के बाद वह राजनीति छोड़ देंगे। सवाल यह खड़ा हुआ था कि उन्होंने आखिरी रैली में ऐसा क्यों कहा, क्योंकि अपनी ही पार्टी को नुकसान और भाजपा को फायदा पहुँचाने वाला बयान दिया।

कहते हैं राजनीति में अपना कोई भी कदम सामने वाले से प्रभावित हो कर नहीं उठाना चाहिए। प्रद्योत से यही गलती हो गई थी। उस समय दो बातें हुई थीं। माकपा ने यह अफवाह फैला दी थी कि चुनावों के बाद टिपरा मोथा पार्टी कांग्रेस-माकपा गठबंधन की सरकार को समर्थन देगी। माकपा के नेताओं ने यहाँ तक कह दिया था कि उनका टिपरा मोथा के साथ गुप्त गठबंधन है।

प्रद्योत ने इसका खंडन नहीं किया, जिस पर उन्हीं की पार्टी के अनेक नेताओं को संदेह हो गया। संदेह का कारण यह भी था कि भाजपा से गठबंधन की बात टूट जाने के बाद प्रद्योत खुलेआम कह रहे थे कि वह भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे। इसका असर यह हुआ कि टिपरा मोथा के भीतर ही विद्रोह हो गया और कई बड़े नेता भाजपा के साथ जा मिले।

नरेंद्र मोदी की आखिरी चुनाव रैली के समय 13 फरवरी को कई आदिवासी नेताओं ने उनसे मिलकर उनके नेतृत्व में आस्था प्रकट की। चुनाव के दौरान ही लगे इस झटके से प्रद्योत देब बर्मन का दिल टूट गया और उन्होंने आखिरी चुनावी सभा में राजनीति छोड़ने का एलान कर दिया। यह एक तरह से आखिरी दिन हथियार डालना था, इसी ने उनका गणित बिगाड़ दिया। टिपरा मोथा 18-20 सीटें जीतने की स्थिति में आ गई थी, लेकिन आखिरी वक्त की गलती ने उसे 13 सीटों पर पहुंचा दिया।

वामपंथियों ने पहली बार कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें फायदे की बजाए नुकसान हुआ। पिछली बार वामपंथी 16 सीटें जीते थे, जबकि इस बार 11 पर अटक गए, जबकि पिछली बार एक भी सीट न जीतने वाले कांग्रेस तीन सीटें जीत गई। गठबंधन का कांग्रेस को फायदा और वामपंथियों को नुकसान हुआ।

मेघालय में तृणमूल की कोशिश नाकाम

मेघालय में सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को लगा है। पिछले चुनाव में वह 21 सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन जब सरकार नहीं बन पाई तो कांग्रेस हाईकमान की बेरुखी के चलते कांग्रेस के सभी विधायक मुकुल संगमा की रहनुमाई में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। हालांकि उनमें से कुछ बाद में भाजपा और एनपीपी में भी शामिल हुए, लेकिन कांग्रेस शून्य पर आ गई थी।

चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने तृणमूल पर हमलावर रुख अपनाते हुए कहा था कि वह मेघालय और त्रिपुरा में कांग्रेस को नुकसान पहुँचाने और भाजपा को फायदा पहुँचाने के लिए चुनाव लड़ रही है। चुनाव नतीजों में कांग्रेस को तो नुकसान पहुंचा ही, वह 21 से घट कर सिर्फ 5 सीटों पर आ गई, लेकिन तृणमूल कांग्रेस भी कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। उसे सिर्फ 5 सीटें मिली, हालांकि ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने खुद कमान संभाली हुई थी और पैसा भी पानी की तरह बहाया गया था।

अभिषेक बनर्जी कोशिश कर रहे हैं कि तृणमूल कांग्रेस को कोनराड संगमा की सरकार में शामिल कर लिया जाए, लेकिन ऐसी संभावना इसलिए नहीं है क्योंकि संगमा विपक्षी खेमे में शामिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहते, इसलिए उन्होंने पहले ही अमित शाह को फोन करके समर्थन मांग लिया है। उन्हें पता है कि जिस तरह भाजपा ने पिछली बार पांच साल उनकी सरकार चलवाई, उसी तरह अगले पांच साल वह भाजपा के साथ ज्यादा सुरक्षित रहेंगे।

पिछले विधानसभा चुनाव में 20 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर आई कोनराड संगमा को भाजपा ने छोटे दलों से समर्थन दिलाकर सरकार बनवाई थी। भाजपा की रणनीति से बनी एनपीपी की सरकार पूरे पांच साल चली, लेकिन चुनाव के समय मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने गठबंधन सरकार के किसी भी घटक से मिल कर चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। गठबंधन सरकार के सभी दल अलग अलग लड़े।

अब यह तो पता नहीं कि पर्दे के पीछे कोई रणनीति थी या नहीं, लेकिन पिछली सरकार के सभी घटक दलों को अलग अलग चुनाव लड़ने का फायदा हुआ। कोनराड संगमा की पार्टी एनपीपी 20 से बढ़कर 26 सीटें ले गई, यूडीपी 6 से बढ़कर 11 सीटें ले गई, लेकिन भाजपा को कोई फायदा नहीं हुआ, वह पिछली बार की तरह दो सीटों पर ही रह गई। एचएसपीडीपी भी दो सीटों पर ही रही, पीडीएफ को नुकसान हुआ, वह चार से घटकर 2 पर आ गई।

शाम पांच बजे जब साफ़ हो गया था कि गठबंधन सरकार ही बनेगी, तो कोनराड संगमा ने पहले असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा को फोन करके और बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को फोन कर समर्थन और आशीर्वाद माँगा। उनकी सरकार बनाने की जिम्मेदारी पिछली बार की तरह ही असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने ले ली है। उन्होंने ही संगमा की ओर से अमित शाह को फोन किए जाने की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने एक और ट्विट करके बताया कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मेघालय ईकाई को बता दिया है कि कोनराड संगमा की सरकार बनवाएं।

नगालैंड में भाजपा गठबंधन पहले से ज्यादा बहुमत के साथ सत्ता में लौटा है। भाजपा की सीटें भले ही 2018 की तरह 12 ही रही, लेकिन उसके सहयोगी दल एनडीपी की सीटें भी 18 से बढ़कर 26 हो गई है। पिछली बार की तरह इस बार भी एनडीपी ने 40 और भाजपा ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था। बाद में 26 सीटें जीतने वाला नगा पीपल्स फ्रंट भी गठबंधन सरकार में शामिल हो गया था, जिससे नगालैंड विपक्ष विहीन हो गया था।

पिछली बार 26 सीटें जीतने वाले नगा पीपल्स फ्रंट को बड़ा झटका लगा है, उसके सिर्फ 2 उम्मीदवार ही जीत पाए हैं। मेघालय में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी कोनराड संगमा की पार्टी एनपीपी को भी नगालैंड में चार सीटें मिली हैं। अगर मेघालय में संगमा भाजपा के साथ मिल कर फिर से सरकार बनाते हैं, जिसकी प्रबल संभावना है, तो नगालैंड में भी एनपीपी सरकार में शामिल हो सकती है।

आश्चर्यजनक ढंग से एनपीपी की पैरेंट पार्टी एनसीपी (शरद पवार से अलग होकर पूर्णो संगमा ने नेशनलिस्ट पीपल्स पार्टी बना ली थी) नगालैंड में सात विधानसभा सीटें जीत गई है, जबकि पिछली बार उसका खाता भी नहीं खुला था।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

मण्डलब्राह्मणोपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

उन्मन भाव (मनरहित होना) ही उसका पाद्य है। सदैव अमनस्क भाव ही अर्घ्य है। सतत दीप्ति और अपार अमृतवृत्ति ही उसका स्नान है। सर्वत्र ब्रह्म भावना ही गन्ध है। दर्शन के स्वरूप का अवस्थान ही अक्षत है। चैतन्य की प्राप्ति ही पुष्प है। चैतन्य अग्नि का स्वरूप ही धूप है। चैतन्य आदित्य का स्वरूप ही दीप है। परिपूर्ण चन्द्र के अमृत का एकीकरण ही नैवेद्य है। निश्चलत्व ही प्रदक्षिणा है। भाव ही नमस्कार है। मौन ही स्तुति है। सभी प्रकार का सन्तोष ही उसका विसर्जन है जो इस प्रकार जानता है (वह ब्रह्म स्वरूप हो जाता है)। इस प्रकार जब (ज्ञाता, ज्ञान और ज्ञेय स्वरूप) त्रिपुटी निरस्त (दूर) हो जाती है, तब तरंगहीन सागर के समान, वायुरहित स्थान में स्थित दीपक की तरह अचल, सम्पूर्ण भाव और अभाव से विहीन कैवल्य ज्योति प्रकट होती हैं, अर्थात् मात्र कैवल्यज्योति शेष रहती है।

जिसे जाग्रदवस्था और निद्रावस्था में भी सुषुप्ति और समाधि की स्थिति में मनोलय समान होने पर भी दोनों में महान् भेद है । सुषुप्ति में मन अज्ञान में लय हो जाता है, जिससे मुक्ति की स्थिति नहीं बनती।

वृत्ति रूप साक्षिचैतन्य में प्रपञ्च का विलय हो जाता है; क्योंकि प्रपञ्च मनः कल्पित होता है।

तत्पश्चात् भेद के अभाव में समाधि से बाहर आने पर भी प्रपञ्च के मिथ्यात्व का बोध बना रहता है। एक बार सदानन्द का अनुभव हो जाने से वही प्रमुख विषय हो जाता है। इस प्रकार ब्रह्म को जानने वाला।

जिसके संकल्प विनष्ट हो गये हैं, उसी के हाथ में मुक्ति है। इसलिए (वह साधक) भाव और अभाव इस प्रकार समस्त अवस्थाओं में बारम्बार ज्ञान और ज्ञेय, ध्यान और ध्येय, लक्ष्य और अलक्ष्य, दृश्य और अदृश्य तथा ऊहापोह आदि का परित्याग करके मनुष्य जीवन्मुक्त हो जाता है। जो इस प्रकार जानता है

इन पाँच अवस्थाओं में से जाग्रदवस्था में जीव प्रवृत्ति मार्ग में प्रवृत्त होता है, जिससे वह यह आकांक्षा करता है कि पाप का फल नरक मुझे न प्राप्त हो और शुभ कर्मों का फल स्वर्ग मुझे अवश्य प्राप्त हो।

इस प्रकार वही जीव जब वैराग्य को स्वीकार कर लेता है, तब कर्मफल स्वरूप जन्म और संसार रूप बन्धन से मुक्ति प्राप्त करने का आकांक्षी होकर मुक्ति की ओर अग्रसर होता है और निवृत्ति पथगामी होता है।

(तत्पश्चात्) वही जीव संसार सागर से पार होने हेतु गुरु का आश्रय लेकर, कामादि (विकारों का) परित्याग करके विहित (वेदोक्त) कर्म का आचरण करता हुआ साधन चतुष्टय (विवेक, वैराग्य, षट्सम्पत्ति और मुमुक्षुत्व) से सम्पन्न होता है और हृदय कमल के मध्य एकमात्र भगवत्सत्ता को अन्तर्लक्ष्य करके एक उसी के रूप का आश्रय लेकर सुषुप्ति अवस्था से मुक्त ब्रह्मानन्द की स्मृति पाकर ऐसा विचारता है (अनुभव करता है) कि मैं एक और अद्वितीय ही हूँ। क्रमशः...

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

भारत में हर साल 4 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुर्घटनाओं से रोकने के लिए किए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के दौरान औद्योगिक दुर्घटनाओं से बचाव के तरीकों के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस खासतौर पर हजारों सिपाहियों को समर्पित किया जाता है, जो अपनी जान खतरे में डालकर देश की सुरक्षा के लिए सीमाओं पर तैनात रहते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस को 4 मार्च 1972 में पहली बार मनाया गया था और इसी दिन नेशनल सेफ्टी काउंसिल की स्थापना की गई थी। इस वजह से इस दिन को नेशनल सेफ्टी डे के रूप में मनाया जाने लगा। नेशनल सेफ्टी काउंसिल में एक गैर सरकारी और गैर लाभकारी संगठन के रूप में कार्य करता है। साल 1966 में मुंबई सोसायटी अधिनियम के तहत इस संगठन की स्थापना की गई थी जिसमें आठ हजार सदस्यों को शामिल किया गया था। यह सप्ताह विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न ओद्योगिक संगठनो द्वारा मिलकर मनाया जाता है। ये संस्थाए विभिन्न कार्यक्रमों और विभिन्न प्रमोशनल मटेरियल्स के द्वारा लोगों में राष्ट्रीय सुरक्षा कि भावना को जागरूक करती है। इन कार्यक्रमों को विभिन्न इलेक्ट्रोनिक मीडिया पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और अन्य ओद्योगिक पत्रिकाओं के माध्यम से लोगों तक पहुँचाया जाता है।

देश की सुरक्षा केवल दुश्मनों से ही नहीं बल्कि हमें आपदाओं और प्रदूषण से भी करनी है। देश के स्वच्छ परिवेश की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा के अंतर्गत आती है जो हमारी जिम्मेदारी है ताकि हमारे राष्ट्रीय परिवेश में रहने वाले हमारे सभी देशवासी सदैव स्वस्थ रह सकें अगर वह स्वस्थ रहेंगे तो वह अपनी सुरक्षा दूसरे चीजों से भी कर सकते हैं लेकिन अगर वह स्वस्थ ही नहीं तो सुरक्षा की कोई गुंजाइश नहीं होती इसलिए हमें सुरक्षा के अंतर्गत सबसे पहले सुरक्षित परिवेश और स्वच्छता को प्राथमिकता देनी चाहिए। सुरक्षित परिवेश के साथ साथ हमारे देश की प्रत्येक महिला की सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है जिसका हमें शक्ति से निर्वहन करना चाहिए और उन्हें भी इस के प्रति जागरूक करना चाहिए ताकि वह स्वयं अपनी सुरक्षा कर सकें। देश की जनसंख्या बहुत अधिक है जिसमें बहुत सारे गरीब और निर्धन व्यक्ति भी आते हैं उनके सुरक्षा की भी जिम्मेदारी हमारी होती है अपनी गरीबी के कारण वह अपने लिए सुरक्षित परिवेश बनाने में असफल होते हैं इसलिए हमें मिलकर और एकजुट होकर उनके लिए एक सुरक्षित परिवेश बनाना चाहिए। ऐसे ही विभिन्न प्रकार के विषयों को चुनकर हम सुरक्षा दिवस के उद्देश्य के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते करीब आए भारत-जर्मनी?

हर्ष वी. पंत

यह कोई छिपी हुई बात नहीं कि जर्मनी के साथ भारत के रिश्ते अन्य यूरोपीय देशों, जैसे- फ्रांस के मुकाबले पीछे रह गए। जर्मनी का चीन को ज्यादा तवज्जो देना भी इसकी एक वजह है। लेकिन यह स्थिति तेजी से बदल रही है। दिलचस्प संयोग कहिए कि चांसलर ओलाफ शोल्ज की पहली भारत यात्रा तभी हुई, जब यूक्रेन युद्ध का एक साल पूरा हो रहा था। यूक्रेन पर रूसी हमला इस लिहाज से भी ऐतिहासिक है कि यह जर्मनी की सुरक्षा नीति में बदलाव का कारण बना। इसी बदलाव की वजह से जर्मनी ने सामरिक मामलों को लेकर दशकों से चली आ रही उदासीनता छोड़ने का फैसला किया। इसकी तस्दीक अपना रक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी के 2 फीसदी करने के जर्मनी के इरादे से भी होती है।

बदल गई प्राथमिकता

यूक्रेन युद्ध और चीन के आक्रामक रुख ने व्यापार के जरिए बदलाव लाने के जर्मनी के नजरिए को सवालों के घेरे में ला दिया, जिससे वहां ऊर्जा और व्यापार के मामले में निर्भरता कम करने पर गंभीर पुनर्विचार शुरू हो गया। रूस और चीन के साथ रिश्तों में बढ़ती अनिश्चितता के कारण पूरे यूरोप में समान विचार वाले देशों के साथ मूल्य आधारित साझेदारी कायम करने का आग्रह बढ़ रहा है, जिससे जर्मनी और भारत के करीब आने के मौके भी बने हैं।

शोल्ज के हालिया दौरे की जमीन जर्मन विदेश मंत्री बाएरबॉक की दिसंबर 2022 में हुई यात्रा से और छठे भारत-जर्मनी इंटरगवर्नमेंटल कंसल्टेशंस यानी आईजीसी (द्विवर्षीय वार्ता का एक मंच, जिसकी शुरुआत 2011 में हुई थी) से तैयार हुई। आईजीसी का मकसद रक्षा, व्यापार, क्लीन एनर्जी, माइग्रेशन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और हिंद-प्रशांत के क्षेत्र में सहयोग को विस्तार देना है। शोल्ज की यात्रा की अहमियत इस मायने में और बढ़ जाती है कि यह ऐसे समय हुई, जब भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और चाहता है कि भू-राजनीति के समीकरण इस मंच की सहयोग भावना को बाधित न करें। चूंकि रूस-यूक्रेन युद्ध दूसरे साल भी जारी है, इसलिए यह युद्ध और पूरी दुनिया पर हो रहे इसका असर बातचीत के केंद्र में रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी शांति प्रक्रिया में योगदान करने को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। जर्मनी की पहले वाली चीन केंद्रित एशिया नीति के विपरीत शोल्ज ने 2021 में पदभार संभालने के बाद सबसे पहले जापान की यात्रा की और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छठे आईजीसी के लिए बर्लिन आमंत्रित किया। एशिया की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाने की यह पहल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जर्मनी की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें भारत को अहम साझेदार माना गया है।

ध्यान रहे, यूरोप के इकॉनमिक पावरहाउस के दर्जे और निर्यात पर निर्भरता के मद्देनजर सप्लाई चेन और एशिया को यूरोप से जोड़ने वाले व्यापारिक मार्गों की स्थिरता जर्मनी के लिए विशेष महत्वपूर्ण हो जाती है। अपनी भारत यात्रा से ठीक पहले दिए गए एक इंटरव्यू में शोल्ज ने इस क्षेत्र में ज्यादा सैनिकों को तैनात करके अपनी सामरिक मौजूदगी बढ़ाने का इरादा जताया। 1921 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपना युद्धपोत बेयर्न भेजने का जर्मनी का सांकेतिक कदम भी इसी रणनीति का हिस्सा था। भारत और जर्मनी के बीच हाल में हुए त्रिकोणीय सहयोग का समझौता भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो तीसरे देशों में विकास परियोजनाओं से जुड़ा है।

अब चूंकि भारत भी रूस पर सैन्य निर्भरता घटाने की सोच रहा है और जर्मनी भी अपनी हथियार निर्यात नीति पर पुनर्विचार कर रहा है, तो जर्मनी, भारत का अहम डिफेंस पार्टनर बन सकता है। बैठकों में जिन मुद्दों पर बात हुई, उनमें मिलिट्री हार्डवेयर का मिलजुलकर विकास और तकनीकी हस्तांतरण के अलावा 5.2 अरब डॉलर का वह समझौता शामिल है, जिसके मुताबिक जर्मनी भारत में संयुक्त रूप से छह पारंपरिक पनडुब्बी का निर्माण करने वाला है। यही नहीं, 2024 में फ्रांस, भारत और जर्मनी मिलकर पहला सैन्याभ्यास भी करेंगे। फिर भी जरूरी है कि दोनों देश अपनी अपेक्षाओं को जमीनी हकीकतों से जोड़कर रखें। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता से जुड़ी साझा चिंताओं के बावजूद यह सचाई है कि जर्मनी, चीन के साथ सरहद साझा नहीं करता, जबकि भारत का उससे सीमा को लेकर झगड़ा है। इतना ही नहीं, जर्मनी का चीन पर से विश्वास भले ही उठ गया हो, 2022 में हुई शोल्ज की चीन यात्रा को याद करें तो उसमें यह स्पष्ट हो गया था कि जर्मन इंडस्ट्री चीन के बाजार से किस हद तक जुड़ी हुई हैं। मगर भले ही शोल्ज चीन से 'डी-कपलिंग' को मुश्किल बता रहे हों, अच्छी बात यह है कि जर्मनी व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के तहत चीन पर नई आधिकारिक रणनीति का प्रारूप तैयार कर रहा है।

मुक्त व्यापार समझौता

जर्मनी यूरोपियन यूनियन में भारत का सबसे बड़ा पार्टनर है। इस लिहाज से भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत की दोबारा शुरुआत से जो अजेंडा उभरा है, उसमें स्वाभाविक ही व्यापार केंद्र में है। पिछले साल ग्रीन एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट पार्टनरशिप और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में सहयोग की शुरुआत से क्लीन एनर्जी और ग्रीन टेक्नॉलजी में सहयोग, इस पार्टनरशिप के मुख्य स्तंभ के रूप में सामने आया है। जर्मनी में स्किल्ड मैनपावर की कमी के मद्देनजर मोबिलिटी और माइग्रेशन का मुद्दा भी फोकस में है। इस बिंदु पर टेक्निकली स्किल्ड इंडियंस उसके लिए खासे उपयोगी साबित हो सकते हैं।

यह देखना सुखद है कि आर्थिक साझेदारी की उलझनों तक सीमित रहने के बजाय भारत और जर्मनी का रिश्ता धीरे-धीरे व्यापक साझेदारी के रूप में उभरा है। बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, उभरती बहुध्रुवीयता और यूरोप के भारत की ओर बढ़ते झुकाव के मद्देनजर भारत-जर्मनी संबंध नई विश्व व्यवस्था को आकार देने में अहम भूमिका निभा सकता है।

गांधी आज

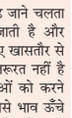

सौ फीसदी स्वदेशी(भाग-01)

स्वदेशी माल को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। स्वदेशी धर्म के पालन आ जाती है। पर स्वदेशी माल को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य चलाया जाय उसमें बहुत विवेक से काम लेने की जरूरत होती है। ऐसे विवेक के अभाव में स्वदेशी के नाम से एक प्रकार का पाखंड जाने चलता है, बहुतेरे कार्यकर्ताओं की शक्ति व्यर्थ जाती है और प्रतारणा होती है जिस चीज के प्रचार के लिए खासतौर से सहायता करने की या जिसे विज्ञापन की जरूरत नहीं है वैसी वस्तु के लिए सार्वजनिक कार्यकर्तताओं को करने की आवश्यकता नहीं है, कारण यह कि इससे भाव ऊँचे हो जाते हैं। और एक दूसरे के साथ स्पर्धा करनेवाले संपन्न व्यापारियों में अनिष्ट सनातनी बढ़ जाती है। मसलन कपड़े, शक्कर या चावल की मिलों को ऐसी सहायता की जरूरत नहीं मानी जा सकती। यही न्याय बहुत अंशों में कागज़ की देशी मिलों तेल की मिलों, विलायती दवाओं के देशी कारखानों, साबुन के कारखानों, चमड़े के बड़े कारखानों वगैरा पर घटित होता है। इसका अर्थ यह नहीं कि विदेशी कपड़ा, चीनी, चावल, कागज़, तेल. दवाइयाँ, साबुन, दंत मंजन, ब्रश आदि इस्तेमाल करने में हर्ज नहीं है। विदेशी वस्तुओं के सामने टिकने की शक्ति उनमें न हो तो उन्हें पूरी-पूरी मदद मिलनी चाहिए और जिन्हें ये चीजें इस्तेमाल करनी ही हों उन्हें इन्हीं को तरजीह देनी चाहिए पर जिनके लिए आज स्वदेशी आंदोलन की ज़रूरत है वे ये वस्तुएँ नहीं हैं। ज़रूरत तो आज ग्राम उद्योगों का संरक्षण करने की है, अर्थात् खादी. गुड़, देहाती शक्कर, हाथकुटा चावल, देहाती कागज़, बैल के कोल्हू का तेल, देहाती मसाले, रीठा, सिक्का, दतौन, देहाती झाड़ू, चटाई, टोकरियों, रस्सी, जाजिम, चमड़े की चीजें आदि

क्रमशः...

संक्षिप्त समाचार

पशु सखियों एवं गौसेवकों हेतु त्रैमासीक कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण संपन्न

रायपुर। राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (समेती), रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य पशुधन विकास अभिकरण के वित्तीय सहयोग से राष्ट्रीय गोकुल मिशन अन्तर्गत 3 माह के ''कृत्रिम गर्भाधान मैत्री प्रशिक्षण'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रायपुर, गरियाबंद एवं मुंगेली जिले से पशु सखी एवं गोसेवको ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस तीन माह के प्रशिक्षण के दौरान पशुपालन विभाग के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को एक माह का क्लास रुम प्रशिक्षण विभिन्न मॉडल एवं पिक्चर के माध्यम से दिया गया। प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के डेयरी फार्म मे भी प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न गौशालाओं एवं अंजोरा में संचालित डेयरी फार्म एवं अन्य केन्द्रों का भ्रमण भी करवाया गया। इस तीन महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (समेती) के संचालक श्री जी.के. निर्माम के मार्गदर्शन में डॉ. शिन्दे द्वारा किया गया। आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभाकक्ष में समेती के संचालक श्री जी.के. निर्माम ने सभी मैत्री प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं और बधाई दी।

शान्ति सरोवर में 5 मार्च को महिला जागृति सम्मेलन

रायपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रजापिता ब्रम्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महिला प्रभाग द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में रविवार 5 मार्च को शाम 4 बजे महिला जागृति आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। चर्चा का विषय होगा- खुशहाल महिला- खुशहाल परिवार.समारोह में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती किरणमयी नायक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.टी.) की डायरेक्टर डॉ. ए.बी. सोनी, हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा और ब्रम्माकुमारी सविता दीदी अपने विचार व्यक्त करेंगी। मूल वक्तव्य वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रम्माकुमारी स्मृति बहन का होगा। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं की सुरक्षा के लिए नैतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक जागृति लाकर उन्हें स्वयं की सुरक्षा के लिए सशक्त बनाना, महिलाओं के प्रति मानसिकता में परिवर्तन लाना, सार्वजनिक स्थलों, परिवहन तंत्र एवं वाहनों को नारियों के लिए अधिक सुरक्षित बनाने के लिए जन-जन को प्रेरित करना, अश्लील साहित्य, सिनेमा, विज्ञापन आदि पर अंकुश हेतु सामाजिक जागृति लाना आदि है।

जिला माहेश्वरी युवा संगठन का फागोत्सव 5 को

रायपुर। रायपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन अपने तीनों स्थानीय संगठन (महेश युवा संगठन, माहेश्वरी युवा संगठन गुढियारी और माहेश्वरी युवा मंडल) व रायपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के सहयोग से अग्रसेन धाम में 5 मार्च को शाम 4 बजे से फागोत्सव 2023 का आयोजन किया गया है जिसमें कोलकाता के प्रसिद्ध मस्ताना रुप अपनी प्रस्तुति देंगे। माहेश्वरी युवा संगठन के राजकुमार राठी ने पत्रकारवार्ता में बताया कि इस फागोत्सव कार्यक्रम में बच्चों के लिए इंटरटेन्मेंट गेम जोन बनाया गया है जहां पर वे खेल खेलते हुए होली खेलेंगे। इसके लिए एक टीम का गठन गया है जिनमें प्रोग्राम डायरेक्टर्स रमेश झवर, राकेश सोमानी, कार्यक्रम संयोजक - ललित सोमानी, सह-संयोजक- विकास लाहोटी, अंशुल बिरला, पवन चांडक को बनाया गया है।

भारत के विकास में महिलाओं का योगदान विषय पर सेमिनार कल

जगदलपुर। शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय (बस्तर विवि) के महिला प्रकोष्ठ और आईक्यूएसी प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में 4 मार्च सुबह 11 बजे से बीएड अध्ययन शाला भवन के स्वामी विवेकानंद सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में भारत के विकास में महिलाओं का योगदान विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री फूलबासन बाई यादव सामाजिक कार्यकर्ता होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बस्तर विवि के कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव करेंगे। विशिष्ट अतिथि हेलीना गिरीधरन क्रिमिनल अधिवक्ता और जय लक्ष्मी अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय होंगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की सहायक प्राध्यापक समन्वयक महिला प्रकोष्ठ हैं।

दुष्कर्म का आरोपी प्रधान आरक्षक गिरफ्तार

कांकेर। पखांजुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक पर दुष्कर्म का आरोप लगा है। जिस पर उसी के थाने में शिकायत के बाद आरोपी आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार प्रधान आरक्षक उक्त महिला के साथ साल भर से जबरदस्ती संबंध बना रहा था। जिसकी शिकायत आज पीड़िता ने पखांजुर थाने में की, जिसके बाद पखांजुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी प्रधान आरक्षक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। दुष्कर्म का आरोपी प्रधान आरक्षक तिलकराम जैन विगत दो वर्षों से पखांजुर थाने में पदस्थ है, वह थाना परिसर में बने पुलिस आवास में रहता है। इसी परिसर में पखांजुर अनुविभाग के अन्य थाने में पदस्थ आरक्षक की पत्नी के साथ अप्रैल 2022 से आरोपी संबंध बना रहा था।

होली से पहले प्रकृति भी हुई रंगीन

दे रही हर्बल होली का संदेश

, रायपुर। मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जो कि वनांचल क्षेत्र से घिरा हुआ है। यही बात एमसीबी के पहाड़ी क्षेत्र को मनोहर बनाती है। होली के चंद दिन पहले पलाश के वृक्ष गुलाबी रंग के फूलों से खिले हुए हैं। प्रकृति यह संदेश देती है कि होली के पहले प्रकृति किस प्रकार से होली के लिए स्वयं को तैयार किया है। जिसका नजारा अद्भुत और बेमिसाल है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि प्राकृतिक सुंदरता होली के पहले पलाश के फूल देखकर ऐसा लगता है कि प्रकृति स्वयं होली के लिए तैयार हुई है। पलाश के फूलों से बनते हैं रंग - होली खेलने के लिए आप पलाश के फूलों का रंग काफी आसानी से बना सकते हैं। इस मौसम में यह काफी नजर आते हैं।रंग तैयार करने के लिए सबसे पहले पलाश के फूलों को तोड़ लें। इसके बाद इसे छाया में अच्छी तरह से सूखा लें। इसके बाद इन सूखे हुए फूलों को गर्म या ठंडे पानी में डालकर रंग तैयार कर लें।

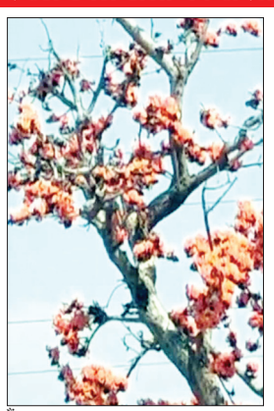

हैं।

पलाश के फूलों से त्वचा को नुकसान नहीं

रंगों के बिना होली की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन इस बार पलाश के फूलों से होली खेलें। जिससे त्वचा को कोई नुकसान न हो। पलाश के फूल सस्ते और अच्छे होने के साथ गांव में आसानी से उपलब्ध हैं।इनसे आप आसानी से बिना किसी भी मेहनत के रंग बनाकर होली खेल सकते

रसायनिक रंगों से होता है नुकसान

पहले पलाश के टेसू रंगों से खेली जाने वाली होली आज हर्बल, रासायनिक रंगों से रंगीन है। टेसू के फूलों को लोग भुलाते जा रहे हैं, लेकिन प्राकृतिक रंगों से होली खेलने में आनंद के साथ त्वचा को कोई नुकसान नहीं है।वहीं यगि आप रासायनिक रंगों का इस्तेमाल करेंगे तो ये आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

होली में बरते सावधानियां

होली के दिन पूरी तरह शरीर को ढ़कने वाले कपड़े पहनें। कपड़े ऐसे हों जिनसे शरीर में जाने वाले रासायनिक रंगों को रोका जा सके।शरीर और बालों में अच्छी किस्म का तेल लगाएं। टोपी भी लगा सकते हैं। होठों को फटने से बचाने के लिए लिप-क्रीम का इस्तेमाल करेंगे तो बेहतर होगा।नाखूनों पर रंग चढ़ने के बाद जल्दी साफ नहीं होता है।इसलिए नाखूनों पर वैसलीन लगाएं।महिलाएं नेल पॉलिश लगा सकती हैं। होली पर रंग खरीदते समय ध्यान रखें कि रंग गाढ़ा और सस्ता ना हो। रासायनिक रंगों का इस्तेमाल ना करें क्योंकि इससे त्वचा के साथ साथ आखों को भी भारी नुकसान हो सकता है। त्वचा रोग विशेषज्ञ भी लोगों को चंद रुपये बचाने के लिए सस्ते रंगों से दूर रहने की सलाह दे रहे हैं। सबसे अच्छा तरीका प्राकृतिक रंगों के प्रयोग का है।

पलाश के फूलों से महकेगी बस्तर की होली

जगदलपुर। दरभा के अल्वा गांव में पटेलपारा की महिलाएं पलाश के फूलों से होली के लिए गुलाल तैयार कर रही हैं। इनके समूह का नाम गेंदा फूल स्व-सहायता समूह है। लगभग 12 महिलाओं के इस समूह ने अब तक 50 किलो के आस-पास गुलाल तैयार कर लिया है। जिन्हें ग्राम पंचायत के माध्यम से सीमार्ट तक पहुंचाया जा रहा है जहां से आम नागरिक केमिकल फ्री गुलाल खरीद सकेंगे। इन रंगों को तैयार करने के लिए पलाश के फूलों को सुखाकर पाउडर बनाया गया, जिसके बाद इसमें मक्के का आटा मिलाकर चिकना किया गया। इन्हें रंगीन बनाने के लिए भी प्राकृतिक चीजों का ही इस्तेमाल किया गया है। जैसे लाल रंग के लिए लाल भाजी, पीला रंग के लिए हल्दी और हरे रंग के लिए मेथी और हरे रंग की भाजियों का इस्तेमाल किया गया है। समूह की सदस्य सावित्री मंडावी का कहना है कि उन्हें 1 क्विंटल गुलाल बनाने का ऑर्डर मिला था, जिसे उनके समूह की महिलाएं बड़ी मेहनत से तैयार कर रही हैं। सावित्री बताती हैं कि उनका यह गुलाल केमिकल फ्री होने की वजह से स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक नहीं है। इसे बच्चे-बूढ़े सभी उपयोग कर सकते हैं। स्थानीय बाजारों में भी ये महिलाएं अपने प्राकृतिक गुलाल को बेचेंगी। प्राकृतिक गुलाल बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पलाश के फूल के कई नाम हैं। इसे टेसू, ढाक, परसा, केशुक, और केसू भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि ऋतुराज वसंत की सुंदरता पलाश के बिना पूरी नहीं होती है। पलाश के फूल को वसंत का श्रृंगार माना जाता है। होली के लिए आजकल बाजारों में मिलने वाल चटक और आकर्षक रंग केमिकलयुक्त होते हैं। जिससे स्किन को नुकसान पहुंचता है। यही नहीं बाजार में मिलने वाले ये रंग बच्चों के स्किन के लिए भी नुकसानदायक होते हैं। सांस के माध्यम से भी केमिकलयुक्त रंग हमारे शरीर में पहुंचकर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं इसीलिए विशेषज्ञ ये सलाह देते हैं कि होली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग केमिकल फ्री होने चाहिए।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन 29 मार्च तक

बिलासपुर। राजीव गांधी बाल भविष्य सुरक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 29 मार्च निर्धारित है। ऑनलाईन आवेदन भरने हेतु लिंक है। इस योजना के तहत प्रदेश के अधिसूचित क्षेत्रों, आदिवासी उपयोजना क्षेत्र तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थित शालाओं में अध्ययनरत प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12 वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु सघन तैयारी कराई जाती है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रयास आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु आवेदन भरने की अंतिम 29 मार्च रात्रि 12 बजे तक निर्धारित है।

जन औषधि केन्द्रों से लोगों को जोड़ने निकाली गई पदयात्रा

बिलासपुर। प्रदेश भर में चलाये जा रहे जन औषधि सप्ताह के अंतर्गत आज बिलासपुर में जन औषधि प्रतिज्ञा यात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा जिला चिकित्सालय से सिम्स हास्पिटल तक निकाली गई। इस पदयात्रा को सिविल सर्जन डॉ. अनिल गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के जिला समन्वयक श्री सौरभ सक्सेना ने बताया कि इस पदयात्रा के माध्यम से लोगों को जन औषधि केन्द्रों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के अनुयायियों ने स्वच्छता का दिया संदेश

रायपुर। शहर के शासकीय कन्या पॉलीटेक्नीक कालेज बैरनबाजार मैंडॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान रेवर्दडा जिला रायगढ़ के रायपुर शाखा द्वारा महास्वच्छता अभियान के तहत उनके अनुयायियों ने कालेज परिसर की स्वच्छता की। महास्वच्छता अभियान अंतर्गत शासकीय कन्या पॉलीटेक्नीक परिसर बैरन बाजार में स्वच्छता की गई। सुबह 7 ये 10 बजे तक की गई सफाई में लगभग 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र की सफाई की गई व 3 टन कचरा निकाल कर डॉपिंग यार्ड भिजवाया गया। 27 श्री सदस्यों ने स्वच्छता अभियान में कार्य किया। संस्था की प्राचार्या डॉ. वर्षा चौरसिया ने प्रतिष्ठान के स्वच्छता अभियान की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान रेवर्दडा जिला रायगढ़ के सौजन्य से महाराष्ट्र भूषण डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी के जन्मशताब्दी के अवसर पर डॉ. आप्पा साहेब धर्माधिकारी व डॉ. सचिन दादा धर्माधिकारी के मार्गदर्शन में महास्वच्छता अभियान शुरू किया गया है।जिसके तहत संस्था के अनुयायियों के द्वारा स्वच्छता मे योगदान दिया जा रहा।

इसी के तहत पूरे देश में 1 मार्च को भारत के अलावा अन्य देशों में यह अभियान चलाया गया यह अभियान स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य के राज्यपाल द्वारा नियुक्त स्वच्छता दूत डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के अध्यक्ष पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. श्री अप्पासाहेब धर्माधिकारी व डॉ. श्री सचिन दादा धर्माधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के द्वारा पिछले कई वर्षों से व्यापक रूप से स्वच्छता अभियान किया जा रहा है जिसमें विशेष रूप से 16 नवम्बर 2014 को किया गया स्वच्छता अभियान लिम्काबुक आफ रिकार्डस में दर्ज है।डॉ. श्री अप्पासाहेब धर्माधिकारी इन्हे केन्द्र सरकार द्वारा 26 जनवरी 2017 को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सरकार के खिलाफ कर्मचारियों का प्रदर्शन

पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का कहना है कि पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सरकार को तत्काल सौंपी जाए, और उसे सार्वजनिक किया जाए, इसके साथ ही केंद्र के सामान महंगाई और गृह भाड़ा भत्ता दिया जाए, शुक्रवार को जिला ब्लॉक और तहसील स्थल पर रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया.छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांतीय संरक्षक अजय तिवारी ने बताया कि इसके पहले भी छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन अपनी मांगों को लेकर लंबे समय तक प्रदर्शन कर चुका है. बावजूद इसके सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की है. सरकार ने पिंगुआ कमेटी का गठन वेतन विसंगति को लेकर किया है. लेकिन आज तक पिंगुआ कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को नहीं दी है. इस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक उमेश मुदलियार ने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने इसके पहले अनिश्चितकालीन हड़ताल

किया था. जिसके बाद सरकार ने पिंगुआ कमेटी का गठन किया है. पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट आज तक सरकार को नहीं सौंपी गई है. जिसको लेकर आज प्रदेश में ब्लॉक तहसील और जिला स्तर पर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम से संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जा रहा है. मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेश के कर्मचारी और अधिकारियों में आक्रोश और नाराजगी भी देखने को मिल रही है. अभी नहीं तो कभी नहीं का नारा बुलंद करते हुए आने वाले समय में जंगी प्रदर्शन किया जाएगा।

सरकार से आश्वासन नहीं समाधान की मांग छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि सरकार से आश्वासन नहीं समाधान चाहिए इस मूल मंत्र को लेकर आंदोलन किया जा रहा है. इस ज्ञापन के बाद भी सरकार अपनी कुंभकरण की नींद से नहीं जागती है, तो आने वाले 18 मार्च को प्रदेश भर के कर्मचारी अधिकारी अपनी मांगों को लेकर नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर जंगी प्रदर्शन करेंगे.लिपिक संवर्ग के वेतन विसंगति का निराकरण करने के साथ में सहायक शिक्षक और समस्त एलबी संवर्ग की पूर्व सेवा की गणना वेतन विसंगति दूर की जाए. इसके अलावा वेतन विसंगति दूर करने के लिए कई विभागों के कर्मचारियों ने मांगे की थी. जिस पर 17 सितंबर 2021 को गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने की मांग की गई है।

टेसू के फूलों से तैयार होली के रंग

सी-मार्ट और बिहान की मदद से हो रही है ब्रिक्री

रायपुर। होली के लिए आजकल बाजारों में मिलने वाल चटक और आकर्षक रंग केमिकलयुक्त होते हैं। जिससे स्किन को नुकसान पहुंचता है। यही नहीं बाजार में मिलने वाले ये रंग बच्चों के स्किन के लिए भी नुकसानदायक होते हैं। सांस के माध्यम से भी केमिकलयुक्त रंग हमारे शरीर में पहुंचकर फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाते हैं इसीलिए विशेषज्ञ ये सलाह देते हैं कि होली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग केमिकल फ्री होने चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए दरभा के अल्वा गांव में पटेलपारा की महिलाएं पलाश के फूलों से होली के लिए गुलाल तैयार कर रही हैं। बिहान की इन महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे प्राकृतिक

गुलाल पूरी तरह से केमिकल फ्री हैं इसीलिए ये गुलाल बाजार में मिलने वाले रंगों की जगह अच्छा विकल्प साबित होंगे।

गेंदा फूल स्व-सहायता समूह से जुड़ी लगभग 12 महिलाओं के इस समूह ने अब तक 50 किलो के आस-पास गुलाल तैयार कर लिया है। जिन्हें ग्राम पंचायत के माध्यम से सीमार्ट तक पहुंचाया जा रहा है जहां से आम नागरिक केमिकल फ्री गुलाल खरीद सकेंगे। इन रंगों को तैयार करने के लिए पलाश के फूलों को सुखाकर पाउडर बनाया गया, जिसके बाद इसमें मक्के का आटा मिलाकर चिकना किया गया। इन्हें रंगीन बनाने के लिए भी प्राकृतिक चीजों का ही इस्तेमाल किया गया है। जैसे लाल रंग के लिए लाल भाजी, पीला रंग के लिए हल्दी और हरे रंग के लिए मेथी और हरे रंग की भाजियों का इस्तेमाल किया गया है।

समूह की सदस्य सावित्री मंडावी का कहना है कि उन्हें 1 क्विंटल गुलाल बनाने का ऑर्डर मिला था, जिसे उनके समूह की महिलाएं बड़ी मेहनत से तैयार कर रही हैं। सावित्री बताती हैं कि उनका यह गुलाल केमिकल फ्री होने की वजह से स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक नहीं है।

2 रोजगार सहायकों की सेवा की गई समाप्त

बीजापुर। जिले में मनरेगा के कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिला पंचायत सीईओ रवि साहू ने ग्राम पंचायत चिन्नाकवाली के रोजगार सहायक रमेश कोर्राम और मिरतुर के सुकमन कड़ती की सेवा समाप्त कर दी गई है। सहायक परियोजना अधिकारी नारायण बंजारा ने बताया कि यह कार्रवाई जनपद सीईओ से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर की गई है। दोनों रोजगार सहायक योजना को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन करने में लापरवाही बरत रहे थे। उन्होने बताया कि मिरतुर के रोजगार सहायक सुकमन कडती बिना किसी पूर्व सूचना के लम्बे समय से अपने कार्यों में अनुपस्थित रहने के कारण सेवा समाप्ति की कारवाई की गई। चिन्नाकवाली के रोजगार सहायक रमेश कोर्राम पर योजनाओं के क्रियान्वन में लापरवाही के साथ जनपद स्तर पर योजना की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में निरंतर अनुपस्थित रहने एवं कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण सेवा से पृथक किया गया है। सेवा समाप्त करने से पूर्व एक माह का मानदेय उन्हें दिया गया। ज्ञात हो कि 03 माह में रोजगार सहायकों पर यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले मुरदण्डा के लापरवाह रोजगार सहायक दुर्गा रठम की सेवा समाप्त की गई है।

कस्टम मिलिंग के लिए 104 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की कुशल प्रबंधन के कारण अब तक कस्टम मिलिंग के लिए 104 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव हो चुका है, जबकि 106 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी कर दिया गया है। किसानों से समर्थन मूल्य पर इस वर्ष 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की सफलतापूर्वक खरीदी की गई है।

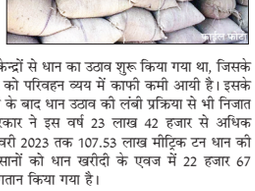

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की पहल पर पिछले वर्ष की तर्ज पर इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए सीधे उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव शुरू किया गया था, जिसके चलते राज्य सरकार को परिवहन व्यय में काफी कमी आयी है। इसके साथ ही धान खरीदी के बाद धान उठाव की लंबी प्रक्रिया से भी निजात मिली है। राज्य सरकार ने इस वर्ष 23 लाख 42 हजार से अधिक किसानों से 31 जनवरी 2023 तक 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। किसानों को धान खरीदी के एवज में 22 हजार 67 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है।

पहाड़ी मैना के संरक्षण-संवर्धन को लेकर 1992 से शुरू हुआ प्रयास असफल

- राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना प्रजनन केंद्र में रखे गए मैना को जंगल में छोड़ा जायेगा

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय में स्थित वन विद्यालय के प्रजनन केंद्र से आखिरकार छत्तीसगढ़ केराजकीय पक्षी पहाड़ी मैना को आजाद करने का फैसला लिया गया है। कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान कार्यालय ने इसके लिए मुख्यालय से अनुमति मिल गई है। ज्ञात हो कि राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना के प्रजनन को लेकर 1992 से प्रयास शुरू हुआ था और अब तक कई करोड़ रूपये फूंक दिये जाने के बावजूद पहाड़ी मैना के नर-मादा का पहचान तक नहीं हो पाई, जिससे प्रजनन केंद्र में अब तक इसमें वन विभाग को कोई सफलता नही मिल सकी। जिसके बाद इस पर प्रश्न चिन्ह

खड़े होने लगे थे।

उल्लेखनीय है कि मनुष्य की तरह हुबहु आवाज निकालने में माहिर पहाड़ी मैना को छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद राजकीय पक्षी का दर्जा मिला, इसके पहले से ही इस दुर्लभ पहाड़ी मैना के संरक्षण व संवर्धन को लेकर वन विद्यालय में एक विशाल पिंजरा बनाकर प्राकृतिक माहौल तैयार कर प्रजनन केंद्र बनाकर इसमें तीन दशक पहले 6 पहाड़ी मैना को रखा गया था, जिसमें सभी की एक-एक कर मौत हो गई। वर्तमान में पिंजरे में कोलेंग क्षेत्र से लाए गए तीन मैना सोनू, मोनू व ऋतु शेष हैं, जिन्हें जंगल में छोड़ दिया जाएगा। जानकारों के मुताबिक पहाड़ी मैना को शोरगुल पसंद नहीं है। वन विद्यालय के चारों ओर शहरी क्षेत्र होने से शोरगुल होता है, इसलिए मैना के प्रजनन को लेकर वन विभाग को अब तक कोई सफलता नहीं मिल पायी।

वन विद्यालय स्थित पहाड़ी मैना प्रजनन केंद्र को कांगेर घाटी इलाके में स्थानांतरित करने की योजना बनायी गयी थी, लेकिन अधिकारी के तबादले के बाद यह योजना अधर में अटक गई। इसके बाद पहाड़ी मैना में एक विशेष तरह की चिप लगाकर छोड़ने की भी योजना बनायी गयी, लेकिन उसमें अधिक खर्च होने के कारण यह योजना भी ठंढे बस्ते चली गई। दुर्लभ राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना के संरक्षण व संवर्धन को लेकर मिली असफलता चिंता का विषय हो सकता है, इस दिशा में पक्षी वैज्ञानिकों के साथ कारगर योजना बनाये जाने की आवश्यकता को नजरअंदाज नही किया जा सकता है।

कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के संचालक धम्मशील गणवीर ने बताया कि वर्तमान में उद्यान क्षेत्र में मैना की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसे देखते हुए वन विद्यालय के प्रजनन केंद्र में रखे गए मैना को जंगल में छोड़ दिया जाएगा, इसके लिए तैयारी कर ली गयी है।

अंडों को बचाने के लिए पक्षी ने दी अपनी जान

कांकेर। जिले में एक पक्षी का ममतामयी वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, चिड़ियों में देखा जा रहा है कि जंगल में आग लगी थी, जब पक्षी ने देखा कि उसके अंडे आग में जल सकते हैं तो वह अपने अंडों को बचाने के लिए उसके ऊपर बैठ गई। इस दौरान जब आग पक्षी के करीब पहुंची तो नाइटजार पक्षी भी आग की चपेट में आ गई। अंडों को बचाने के लिए पक्षी वहां से नही हटी, जिससे उस पक्षी की आग में जलकर मौत हो गई। पक्षी को क्षेत्रीय भाषा में कप्पे नाम से जाना जाता है, कप्पे पक्षी कभी अपना घोसला ऊंचे स्थान पर नहीं बनाती है। रेतीले जमीन, पत्तों और खेत में पाए जाने वाले इस पक्षी को नाइटजार के नाम से भी जाना जाता है।

हमारे पाँव का कांटा हमीं से निकलेगा.....

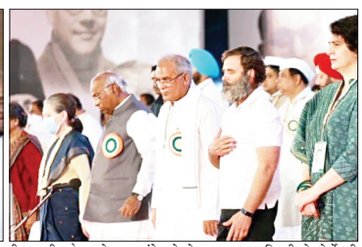

कांग्रेस ने अपने तीन दिवसीय 85वें महाधिवेशन में 'नयी कांग्रेस के आगाज' का ऐलान किया और अपने नेताओं से आह्वान किया कि वे इस साल होने वाले कई राज्यों के विस चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के लिए अनुशासित एवं एकजुट होकर काम करें, क्योंकि ये चुनाव ही आगामी लोकसभा चुनाव की दिशा तय करेंगे। पार्टी ने एक बार फिर से फिर विपक्षी एकजुटता की जरूरत पर जोर दिया और स्पष्ट रूप से यह संकेत भी दिया कि वह 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब अरुणाचल प्रदेश से गुजरात के बीच यात्रा निकाल सकती है।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में कांग्रेस ने अपने

85वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ईवीएम, चुनावी बांड समेत कई राजनीतिक संकल्प लिये गये हैं। यदि इनका धरातल पर ईमानदारी से पालन किया गया तो संगठन को निश्चित ही मजबूती मिलेगी।छत्तीसगढ़ के महाधिवेशन में कांग्रेस ने अपने संविधान में बड़ा संशोधन किया है।पार्टी ने फ़ैसला किया है कि कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों में 50 प्रतिशत पदों को आरक्षण के जरिए भरा जाएगा।कांग्रेस पार्टी ने एससी-एसटी, ओबीसी, महिला और युवाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का फ़ैसला किया और कहा कि पार्टी में 50 साल से कम उम्र के नौजवानों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी समय-समय पर युवा कांग्रेस का नारा देते रहे हैं, कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता भी मानते हैं कि सोनिया गांधी वैसे भी अपनी तबियत के कारण अधिक सक्रिय नहीं हैं पर कॉंग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व पीएम को सीडब्लूसी के पदेन सदस्य होने सम्बंधित संविधान संशोधन के बाद सोनिया, डॉ मनमोहन सिंह कांग्रेस से जुड़े रहेंगे ही.... वैसे यह भाजपा के बुजुर्ग नेताओं (लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी)आदि को मार्गदर्शन मण्डल में भेजने का जवाब भी हो सकता है...?अपने संकल्प पत्र में कांग्रेस ने कहा है कि "हम समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों के साथ मिलकर एक साझा, रचनात्मक कार्यक्रम के माध्यम से संविधान को बचाने तथा देश की तीन मुख्य चुनौतियों बढ़ती आर्थिक असमानता,बढ़ते सामाजिक ध्रुवीकरण और गंभीर होती जा रही राजनीतिक तानाशाही का दृढ़ता से सामना करते रहेंगे।" कांग्रेस ने कहा था कि वह सक्षम नेतृत्व प्रदान करने का दमखम रखती है, लेकिन भाजपा को मात देने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलों को एकजुट करने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के वास्ते त्याग करने को भी तैयार है।साथ ही, कांग्रेस ने दो टूक कहा था कि तीसरे मोर्चे की कवायद से भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को ही फायदा होगा। पार्टी ने विपक्षी दलों को यह संदेश ऐसे वक्त में देने की कोशिश की है, जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कांग्रेस से गठबंधन को लेकर जल्द निर्णय करने की अपील कर चुके हैं तथा भारत राष्ट्र समिति समेत कुछ क्षेत्रीय दलों द्वारा कांग्रेस को छोड़कर अन्य दलों को लेकर तीसरा मोर्चा बनाने की कवायद की खबरें आ रही हैं।

शुक्ला, मिनीमाता,वोरा,जोगी आदि को भुलाया गया

छग में कॉंग्रेस का महा अधिवेशन हुआ, गांधी, नेहरू, अबुल कलाम आजाद,सुभाष चंद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री,भीम राव आम्बेडकर, इंदिरा गाँधी, राजीव गाँधी से नरसिम्हा राव तक के छायाचित्र लगाए गये, वरिष्ठ पत्रकार चंदूलाल चंद्राकर के नाम पर भी डोम बनाये गये पर सीपी एंड बरार तथा मप्र के पहले सीएम पंडित रविशंकर शुक्ल, सतनामी समाज की महिला गुरु, पूर्व सांसद मिनी माता, रविशंकर शुक्ल के पुत्रों अविभाजित मप्र के सीएम रहे श्यामाचरण, वर्षो तक केंद्र में मंत्री रहे विद्याचरण शुक्ल,मप्र के सीएम, छ्ग के रहनेवाले संभवतः पहले राज्यपाल, कॉंग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे मोतीलाल वोरा,छ्ग के पहले सीएम अजीत जोगी(हालांकि कॉंग्रेस छोड़कर बाद में नया राजनीतक दल बनाया था)आदि की उपेक्षा की भी चर्चा रही..इनको महत्व दिया जाता तो कांग्रेस के वोट ही बढ़ते......कुछ नहीं तो फोटो, डोम या स्वागत द्वार तो इनके नाम से बनाया जा सकता था? विद्याचरण शुक्ल तो सर्वाधिक बार सांसद बनने वाले गिने चुने कांग्रेस के नेताओं में एक रहे। छ्ग में पहली बार कॉंग्रेस महाअधिवेशन हुआ इसलिए छ्ग के बड़े पूर्व नेताओं को तो महत्व देना बनता था....?

भूपेश का कद अब और भी बढ़ा....

छ्ग के सीएम भूपेश बघेल का कद देश की राजनीति और कांग्रेस में बढ़ता ही जा रहा है... हिमाचल प्रदेश में कॉंग्रेस की सरकार बनाने में भी उनकी प्रमुख भूमिका रही है वहीं कांग्रेस का छ्ग में सफल महाअधिवेशन कराने के कारण भी वे पूरे देश के कॉंग्रेसी नेताओं तथा कार्यकर्त्ताओं के बीच अब पहचाने जाने लगे हैं।नरेंद्र मोदी सरकार से सीधे टकराने,उनके खिलाफ सीधे बयानबाजी के चलते भी वे चर्चित हैं,उनके छ्ग मॉडल की भी देश में चर्चा होती रहती है,छ्ग में विस चुनाव के पहले कई विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर विधायकों की टोह लेने तथा आम लोगों से बातचीत कर मौक़े में ही कई समस्याओं का निराकरण करने की उनकी पहल को भी सराहा जा रहा है। सूत्र कहते हैँ कि कांग्रेस की सबसे शक्तिशाली कमेटी सीडब्लूसी में भी उनका शामिल होना तय माना जा रहा है वहीं राज्यसभा सदस्य रंजीता रंजन को भी शामिल किया जा सकता है।

और अब बस...

- कवर्धा के बैगाओं द्वारा सुताखर नामक घास और मुआ फूल की डंडी से बने बीरन हार से स्वागत पर यह अफवाह फ़ैल गईं की भूपेश ने सोने की माला से कुछ कॉंग्रेसी नेताओं का स्वागत किया है?
- दिग्गी राजा,उनकी पत्नी पत्रकार अमृता राय सिंह तथा विधायक पुत्र जयवर्धन सिंह तीनों कॉंग्रेस अधिवेशन में शामिल हुए।
- छ्ग कॉडर के 87 बैच के आईएएस (अब सेवानिवृत) बीवीआर सुब्रमणयम नीति आयोग के सीइओ बनाए गये हैं।
- कॉंग्रेस के एक बड़बोले नेताऔर एक निगम के अध्यक्ष अधिवेशन मंच पर बोलने का मौका नहीं मिलने पर दुखी हैं।उन्होंने कभी अटलजी के बाप का नाम एक आमसभा में पूछ लिया था।
- बिलासपुर जिले में एस पी संतोष सिंह के नेतृत्व में आपरेशन निजात अभियान में सिर्फ फरवरी में ही कुल 635 व्यक्ति आबकारी और एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किये गये हैँ ।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

अमित शाह 15 साल तक बस्तर की उपेक्षा के लिये राज्य के भाजपा नेताओं से सवाल करें-कांग्रेस

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर प्रवास की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि अमित शाह और भाजपा कितनी भी कवायद कर ले बस्तर का भरोसा नहीं जीत पायेंगे। अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री है, उन्हें पिछले 4 साल में बस्तर में हुई शांति बहाली पर आत्म अवलोकन करना चाहिये कि उनकी भाजपा की रमन सरकार जो काम 15 साल में नहीं कर पायी वह कांग्रेस सरकार 4 साल में कैसे कर ली? अमित शाह को छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं से भी सवाल करना चाहिये कि उन्होंने 15 सालों तक बस्तर की उपेक्षा क्यों किया था? अपने बस्तर प्रवास के दौरान रमन सरकार के द्वारा किये गये अत्याचार और शोषण के लिये बस्तर के लोगों से माफी मांगे। 15 साल के भाजपा के शासन काल में बस्तर के आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को भाजपा ने बंधक बनाकर रखा था। 15 सालों तक बस्तर के आदिवासी सुरक्षा बलों और नक्सलवाद के दो पाटों में पिस रहे थे।

केंद्रीय जांच एजेंसियां सरकार की राजनैतिक विरोधियों के दमन का हथियार-कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां मोदी सरकार की राजनैतिक विरोधियों के दमन का हथियार बन चुकी है। विपक्ष की आवाज दबाना तथा अपने खिलाफ उठने वाली आवाज को दबाने मोदी सरकार किसी भी हद तक गिर सकती है। मीडिया जब छापती है तो केंद्रीय एजेंसियों से छापा मरवाते है, संसद में विपक्ष को बोलने नहीं देते, न्यायपालिका को सार्वजनिक तौर पर प्रेस वार्ता करने पर मजबूर करते है, ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स को आपने कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के खिलाफ फ्रंटल ऑर्गनाइजेशन बना रखा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पिछले 9 सालों में सीबीआई, आईटी और ईडी की छापेमारी का सबसे प्रमुख कारण राजनैतिक बदला भांजना रहा है। पहले केंद्रीय जांच एजेंसियां अपराध रोकने, कर अपवचन रोकने कार्यवाही करती थी मोदी राज में जांच एजेंसियां विरोधियों को फंसाने उनको बदनाम करने षड़यंत्र करती है झूठा केस बनाती है। ईडी ने पिछले 8 सालो में 3010 छापे मारे है।

मोदी सरकार देश की जनता को चारों तरफ से लूट रही है

रायपुर। रसोई गैस के दाम में हुई 50 रु. की वृद्धि पर भाजपा को घेरते हुये प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सेल्फी अभियान की हवा सिलेंडर के बढ़े दामों ने निकाल दिया। मोदी एप में केंद्रीय योजनाओं के हितग्राहियों के साथ सेल्फी लेकर फोटो शेयर करने वाले अब उज्जवला योजना के हितग्राहियों के घर जाने से डर रहे क्योंकि सिलेंडर के दाम आसमान छू रहे हैं और उज्जवला योजना के हितग्राही सिलेंडर नहीं भरवापाने के चलते चूल्हा में खाना बनाने मजबूर हैं और भारतीय जनता महिला मोर्चा की बहनें जो 410 रु. की रसोई गैस को महंगा बताकर विरोध करती थी। आज 1200 रु. होने पर मौन हैं और वो महिलाओं की सामना करने से बच रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने तंज कसा क्या इसी को अच्छे दिन बोलते है। 410 रु. के रसोई गैस को जनता 1200 रु. में खरीदने मजबूर है। उज्ज्वला योजना के नाम से गरीबो के साथ भद्दा मजाक मोदी सरकार ने किया है। एक ओर मोदी सरकार देश के 80 करोड़ जनता को फ्री में 5 किलो राशन देने का दावा करती है। दूसरी ओर रसोई गैस के दाम में 50 रु की वृद्धि कर लुटती है। मोदी सरकार से मिले 5 किलो नि:शुल्क चाँवल को जनता कैसे पकाये? मिट्टी तेल की आपूर्ति पहले ही बन्द है लकडियॉ मिल नही रही है रसोई गैस खरीदने 1200 रु कहाँ से लाये?

अब खुलेगा जांजगीर में मेडिकल कॉलेज - चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा के बजट सत्र में आज नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जांजगीर-चाम्पा जिले के जिला मुख्यालय जांजगीर में मेडिकल कॉलेज खोलने का अशासकीय संकल्प प्रस्तुत किया तथा उस संकल्प के पक्ष में तथ्य व तर्क प्रस्तुत किये तथा इसे मेडिकल काऊंसलिंग भारत सरकार को भेजने का आग्रह किया। नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री ने 5 जनवरी 2021 को जांजगीर की एक जनसभा में घोषणा की थी, लेकिन दुर्भाग्य है कि अभी तक मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव भारत सरकार को नहीं भेजा गया है। नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने इसे जोर- शोर से विधान सभा में उठाते हुए सदन से आग्रह किया कि सर्वसम्मति से इसे पारित किया जाये। संकल्प के समर्थन में वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, पुन्नूलाल मोहले, कृष्णमूर्ति बांधी, केशव चंद्रा, सहित अनेक विधायकों ने समर्थन किया। भारी गहमा-गहमी के बाद तथा नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल द्वारा बार-बार तथ्य रखने के उपरांत मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री सहमत हुए। सभी की सहमति से जिला मुख्यालय जांजगीर में मेडिकल कॉलेज खोलने का अशासकीय संकल्प का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। मेडिकल कॉलेज को लेकर क्षेत्र व अंचल की जनता बहुत दिनों से प्रतीक्षारत थी। इस संबंध में विधान सभा में बहुत देर तक बहस चली। जांजगीर चांपा जिले की जनता ने नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल द्वारा जिला मुख्यालय जांजगीर में मेडिकल कॉलेज को विधान सभा में अशासकीय संकल्प द्वारा पारित कराने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया ।

विधायकों के हनुमान चालीसा वाचन को मंत्री ने कहा जानवरों जैसी आवाज - बृजमोहन

रायपुर। विधानसभा में पत्रकारों से चर्चा करते हुए वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कल सदन में जब हम हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे जय सियाराम भजन गा रहे थे, ओंकार का नाद कर रहे थे तब प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव से कहा कि इन्हें रेबीज का इंजेक्शन दीजिए। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा हां मैं बुला लेता हूं। मुख्य मंत्री ने कहा कि खत्म तो नहीं हो गया तब स्वास्थ्य मंत्री ने कहा पूरा है। इसी बात को संसदीय कार्य मंत्री भी कह रहे थे की जानवरों जैसी आवाज कर रहे थे। इस पर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा की उन्होंने जो सदन में हमारे लिए कहा है अगर उनके लिए भी उसकी आवश्यकता है तो हम उनके साथी हैं। पर इस प्रकार की बाते कहना पूरे सदन का अपमान है। यहां की परंपराओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि हम तो आसंदी को धन्यवाद देते है जो उन्होंने इन बातों को विलोपित किया है और कहा है कि सदन की कार्रवाई में यह सब बातें नहीं आनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे ने जरूर इस विषय पर खेद व्यक्त किया है परंतु मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अफसोस भी जाहिर नहीं किया। सत्ताधारी नेताओं द्वारा कही गई यह आपत्तिजनक बातें सदन के सदस्यों की अवमानना है।

सरगुजा संभाग से बनेगी छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार

- **पुरे प्रदेश में भूपेश सरकार के खिलाफ परिवर्तन की लहरः ओम माथुर**

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन प्रभारी ओम माथुर के मुख्य आतिथ्य में आज भाजपा सरगुजा संभाग के प्रमुख पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम अम्बिकापुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, केन्द्रीय जनजातीय कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव साय, पूर्व जनजातीय आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्द कुमार साय, पूर्व राज्य सभा सांसद रामविचार नेताम, भाजपा सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती उधेश्वरी पैंकरा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई । सरगुजा संभाग के अपने प्रथम प्रवास पर पधारे छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी श्री माथुर ने उपस्थित सरगुजा संभाग के भाजपा पदाधिकारियों का परिचय लिया तथा संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की । इस अवसर पर बैठक में भाजपा पदाधिकारियों की अच्छी उपस्थिति से खुश होकर सरगुजा के भाजपा संगठन की तारीफ करते हुए श्री माथुर ने कहा कि सरगुजा के परिश्रमी, ऊर्जावान भाजपा कार्यकर्ताओ के दम पर सरगुजा सहित पुरे छत्तीसगढ़ में परिवर्तन होगा तथा इस बार सरगुजा संभाग से ही भाजपा की सरकार बनेगी। आगे उन्होंने बूथ सशक्तिकरण अभियान पर बल देते हुए सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओ को इसे सफल बनाने की अपील की । उन्होंने कहा कि बूथ जीते तो सब जीते अर्थात् प्रत्येक कार्यकर्ता अपना बूथ जितने का प्रण ले लें तो हम चुनाव जीत जायेंगें । इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार सभी मोर्चे पर असफल साबित हुई है । भूपेश बघेल के राज में अपराध, नशाखोरी, सूदखोरी, भू-माफिया और रेत माफ़ियाओ का आतंक चरम पर है। प्रदेश में नक्सल घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार निर्मम संवेदनहीन और लोकतन्त्र की हत्यारी सरकार है, अब इस भ्रष्ट कांग्रेसी सरकार की जड़ें खोखली हो चुकी है, जिसे भाजपा के कार्यकर्ताओं ने इसे उखाड़ फेकने का संकल्प ले लिया है । इस अवसर पर भाजपा सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने प्रधानमंत्री आवास को लेकर ग्रामीणजनो के बीच केवल भ्रम फैलाने का काम किया है, कांग्रेस के कथनी और करनी में बड़ी अन्तर होने से आज केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना से 16 लाख परिवार वंचित है, भूपेश सरकार ने गरीबो का छत छीनने का काम किया है, आगामी चुनाव में यही जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

आगामी 15 मार्च को रायपुर में गरीबों को आवास के मुद्दे पर विधानसभा का घेराव भाजपा करेगी। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने किया एवं आभार प्रदर्शन भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने किया।

सदन में उठा छत्तीसगढिया़ ओलंपिक खेल का मामला

मंत्री की उपस्थिति के बावजूद दूसरे मंत्री के जवाब देने का मुद्दा

रायपुर। पिछले पिछले महीन संपन्न हुए छत्तीसगढिया़ ओलंपिक खेल का मामला बजट सत्र के दौरान विधानसभा में उठा। भाजपा के विधायक अजय चंद्राकर ने यह मामला उठाते हुए टीम चयन और खेलों की मान्यता पर सवाल उठाए। खेल मंत्री उमेश पटेल ने जवाब देते हुए कहा कि छत्तीसगढिया़ ओलंपिक खेल में 13 लाख लोगों ने लिया हिस्सा था और छत्तीसगढ़ की जनसंख्या का दस प्रतिशत इस आयोजन से जुड़ाव रहा। कांग्रेस के विधायकों ने इन खेलों के लिए बधाई देने के बजाए सवाल पूछे जाने पर आपत्ति जताई। पटेल ने कहा कि चयन को लेकर कोई बाध्यता नहीं थी, टीम आने पर उनको ब्लाक स्तर की प्रतियोगिता में मौका दिया गया। कोई रोक टोक नहीं थी। मंत्री पटेल ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग में छत्तीसगढिया़ ओलंपिक खेल योजना संचालित नहीं है। छत्तीसगढ़ी खेलों को संबद्धता और नौकरी में खिलाड़ियों को आरक्षण देने की मांग को लेकर भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरु कर दिया। विस अध्यक्ष डा. चरणदास महंत ने विधायकों को शांत कराया। शून्यकाल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों के मुद्दों की गूंज रही। भाजपा विधायक शिवरतन शर्मा ने स्थगन के दौरान अनुकंपा नियुक्ति को लेकर धरने पर बैठी महिलाओं के मुंडन कराने का मामला जोरशोर से उठाया। सफाई कर्मचारियों के मांगों पर भी विपक्ष ने स्थगन पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने सदन मंत्री कवासी लखमा के विभाग के सवाल का जवाब मंत्री अकबर ने दिया था जिस पर विपक्षी सदस्य ब्रिजमोहन अग्रवाल , अजय चन्द्राकर ने उठाई आपत्ति। विपक्ष ने कहा कि संसदीय इतिहास में आज तक कभी मंत्री की उपस्थिति के बावजूद दूसरे मंत्री के जवाब देने का कोई उदाहरण नहीं है। सत्ता पक्ष के व्यवहार पर विपक्ष ने जताई नाराजगी और विधानसभा उपाध्यक्ष से मांगी व्यवस्था।

बिलासपुर में एम्स खोलने छग स्वास्थ्य विभाग ने लिखा हैं केंद्र को पत्र - सिंहदेव

राजधानी रायपुर में स्थित एम्स में बिस्तरों की कमी को देखते हुए बिलासपुर में एम्स खोलने का मामला बजट सत्र के दौरान सत्तापक्ष के विधायक शैलेष पांडेय ने उठाया। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने बताया कि बिलासपुर में एम्स खोलने राज्य शासन ने एक अर्ध शासकीय पत्र केंद्र को लिखा है और केंद्र की ओर से जानकारी दी गई है कि उनका पत्र उन्हें मिल गया है। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक शैलेष पांडेय ने बिलासपुर में एम्स खोलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब भी एम्स खोला जाये, बिलासपुर में ही खोला जाये । बीजेपी ने धरमलाल कौशिक ने भी समर्थन किया। जोगी कांग्रेस के विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि क्या इस सदन ने एक शासकीय संकल्प भेजना जाएगा? नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि राज्य की ओर से जब भी पहल की जाये. एम्स बिलासपुर में खोला जाये। इस दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि बिलासपुर में एम्स खोलने राज्य शासन ने एक अर्ध शासकीय पत्र केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को लिखा है। देश के कई राज्यों में एम्स पहले नहीं होते थे। आज भी कई राज्य ऐसे हैं, जहां एम्स नहीं है? हाल ही में मीडिया रिपोर्ट आई है कि केंद्र हर राज्य में कम से कम एक एम्स खोला जाएगा। मुख्यमंत्री से भी मैंने राज्य में दूसरे एम्स खोले जाने के संदर्भ में चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि राज्य में पाँच संभाग है, इनमें सबसे बड़ा संभाग बिलासपुर है जनसंख्या के अनुपात में, मांग के आधार पर और औचित्य के आधार पर भी बिलासपुर में एम्स खोले जाने पर मेरी सहमति है। मैंने केंद्रीय मंत्री को इस बारे में पत्र लिखा है। उनका जवाब भी आया है कि उन्हें पत्र मिल गया है।

मोदी सरकार ने 3 मेडिकल कॉलेज, भूपेश सरकार जमीन तक नहीं ढूंढ पाई- बृजमोहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 4 वर्ष पहले छत्तीसगढ़ के लिए 3 नए मेडिकल कॉलेजों के लिए स्वीकृति प्रदान की थी। इस हेतु 270 करोड़ राशि भी प्रदान की जा चुकी है बावजूद आज तक निर्माण की एक ईट भी प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने नहीं रखी है। भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रश्न के माध्यम से प्रदेश के लिए केंद्र द्वारा 3 स्वीकृत मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का मुद्दा उठाया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव से मंजूरी दिनांक से लेकर अब तक राज्य शासन द्वारा की गई कार्यवाही की संपूर्ण जानकारी चाही। स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2018 से अभी तक 3 नए मेडिकल कॉलेज कांकेर, महासमुंद एवं कोरबा को 20 मार्च 2020 को मंजूरी मिली है। शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय महासमुंद द्वारा दिनांक 9 जुलाई 2021 एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा द्वारा दिनांक 4 जुलाई 2022 को भूमि अधिग्रहण कर लिया गया है तथा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर द्वारा भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंट की नियुक्ति अभी प्रक्रियाधीन है इस नियुक्ति के उपरांत ही डीपीआर तैयार किया जाएगा तथा निर्माण हेतु निविदा आमंत्रित की जाएगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.